राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,१८ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -११४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

शहरों में उत्पात के बाद ग्रामीण इलाकों में पांव पसार रहा कोरोना, बढ़ाई जाएगी रेपिड टेस्टिंग

नई दिल्ली। कोविड-19 के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों में पाबंदियों का असर दिखने लगा है। भारत में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के नए मामलों में कमी देखने को मिल रही है। इस बीच केंद्र सरकार ने रविवार को ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस के प्रसार के मद्देनजर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ने बताया कि अब धीरे-धीरे पेरी-अर्बन, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी कोरोना का फैलाव देखा जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में संक्रमण के जंग के लिए स्थानीय रूप से चल रहे केयर सेंटर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और जहां आरटी-पीसीआर सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं वहां रेपिड टेस्टिंग बढ़ाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाइडलाइंस में कहा है शहरी, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन क्षेत्रों में समुदाय-आधारित सेवाएं और प्राथमिक स्तर का स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा ठीक हो हो। फिलहाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, यूपी, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना, जम्मू, गोआ, चंडीगढ़, लद्दाख में कोरोना संक्रमण की स्थिति काबू में है। जबकि केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, पंजाब, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी और मणिपुर की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। बता दें कि देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमितों की संख्या घटने से राहत है, लेकिन 24 घंटे में फिर 4 हजार से अधकि लोगों की जान चली गई है। 24 घंटे में 3,10,580 नए केस सामने आए तो 4,075 मरीजों की मौत हो गई है। राहत की बात यह है कि नए मरीजों की संख्या के मुकाबले ठीक होने वालों की तादात अधिक होने की वजह से एक्टिव केसों में कमी आई है। 24 घंटे में 3,62,367 लोगों ने कोरोना को मात दी है।

तूफान ताऊ ते-खतरे की आहट

5 राज्यों में 11 लोगों की मौत, महाराष्ट्र के तटीय जिलों में वैक्सीनेशन बंद

नई दिल्ली। अरब सागर से उठे चक्रवात 'ताऊ ते' का खतरा गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित 7 राज्यों पर बना हुआ है। 5 राज्यों में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में मुंबई सहित कई तटीय जिलों में तूफान की वजह से वैक्सीनेशन बंद करना पड़ा है। यहां मुंबई समेत कई शहरों में अलर्ट है। तूफान मंगलवार सुबह पोरबंदर और महुवा (भावनगर) के बीच गुजरात के तट से टकरा सकता है। इस दौरान तूफान की गति 185 किलोमीटर प्रतिघंटे तक हो सकती है। गुजरात के तटीय इलाकों से करीब 1.5 लाख लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। पश्चिमी तट से हजारों मकान खाली कराए गए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल मृत्युंजय मोहपात्रा ने बताया है कि राज्य के 17 जिलों को अलर्ट पर रखा गया है।

नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के डायरेक्टर जनरल एस एन प्रधान ने बताया है कि 7 जिलों में NDRF की 100 से ज्यादा टीमें तैनात की गई हैं। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात पर दिख सकता है, इसलिए अकेले गुजरात में 50 टीमें तैनात हैं।

किस राज्य में कितनी मौतें

कर्नाटक के अलग-अलग जिलों में तूफान से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र के जलगांव में रविवार दोपहर 3 बजे एक पेड़ के झोपड़ी पर गिरने से 17 और 12 साल की दो बहनों की मौत हो गई। उनकी मां की हालत गंभीर है।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि तूफान के कारण राज्य में 2 लोगों की मौत हुई है।

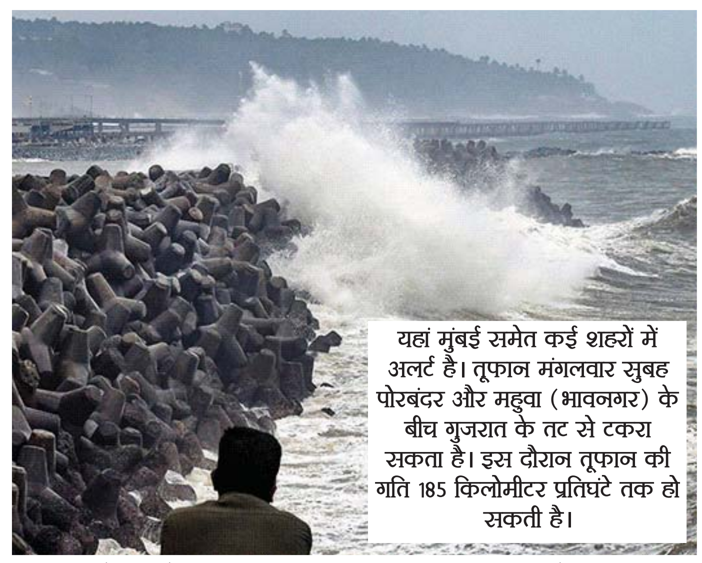

यहां मुंबई समेत कई शहरों में अलर्ट है। तूफान मंगलवार सुबह पोरबंदर और महुवा (भावनगर) के बीच गुजरात के तट से टकरा सकता है। इस दौरान तूफान की गति 185 किलोमीटर प्रतिघंटे तक हो सकती है।

तमिलनाडु के कन्याकुमारी में दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। इसमें 2 साल का एक बच्चा और दूसरा 36 साल का व्यक्ति शामिल है।

गुजरात पर सबसे ज्यादा असर

मौसम विभाग का कहना है कि इस चक्रवात का सबसे ज्यादा असर गुजरात पर पड़ेगा। द्वारका, कच्छ, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, राजकोट, मोरबी और जामनगर जिलों में फूस के बने मकान पूरी तरह तबाह हो जाएंगे, मिट्टी के घरों को भी भारी नुकसान होगा, पक्के मकानों को भी कुछ नुकसान पहुंच सकता है। भारी बारिश के कारण कुछ इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो सकते हैं। तूफान के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार तो गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हाई लेवल मीटिंग की और तैयारियों का जायजा लिया।

वायुसेना अलर्ट; मछुआरों को चेतावनी दी गई

तूफान की संभावना को देखते हुए भारतीय वायुसेना भी अलर्ट मोड में है। वायुसेना ने 16 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और 18 हेलिकॉप्टर को राहत और बचाव कार्य के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। गुजरात के कच्छ और सौराष्ट्र के समुद्री इलाकों में साइक्लोन को लेकर कोस्ट गार्ड अलर्ट पर है। साथ ही मछुआरों को समंदर से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

कर्नाटक के 6 जिलों पर बुरा असर-कर्नाटक के 6 जिलों पर इसका काफी बुरा असर पड़ा है। इन जिलों के 73 गांव इससे प्रभावित हुए हैं। इन 6 जिलों में से 3 समुद्री सीमा से सटे हैं। सभी में पिछले 24 घंटों से भारी बारिश हो रही है। यहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर: श्रीनगर के खानमोह में आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के खानमोह इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षा बल ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। मामले में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। जम्मू कश्मीर में आतंकियों के उत्पात को देखते हुए सुरक्षाबलों द्वारा उनके सफाए का काम भी जारी है। बीते मंगलवार को ही जम्मू और कश्मीर में अनंतनाग के कोकेरनाग इलाके के वेलू में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी फंसे हुए थे। बाद में इन तीनों को मार गिराया गया। वहीं उससे पहले रविवार को एलओसी से सटे पूंछ में पुलिस और सेना ने मिलकर आतंकवादियों पर बड़ी कार्रवाई की थी। यहां बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किया गया। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने बड़े आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया। पुंछ में एक आतंकवादी ठिकाने से सुरक्षा बलों ने 19 हैंड ग्रेनेड बरामद किए थे।

केंद्र सरकार ने कहा, कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज के लिए बुकिंग नहीं होगी कैंसिल

कोविन प्लेटफार्म में भी हुए बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज के लिए कोविन प्लेटफार्म पर पहले से की गई बुकिंग वैध है और उसे रद नहीं किया गया है। हालांकि, मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब इस प्लेटफार्म पर दूसरी डोज के लिए पहली डोज लेने के 84 दिन यानी 12 हफ्ते से पहले की बुकिंग नहीं कराई जा सकेगी। कोविन में इसको लेकर बदलाव कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने 13 मई को कोविशील्ड की दोनों वैक्सीन के बीच अंतराल को छह से आठ हफ्ते से बढ़ाकर 12-16 हफ्ते कर दिया था। सरकार ने कहा है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी डोज के लिए पहले से बुकिंग कराने वाले लोगों को 84 दिनों से पहले की बुकिंग बताकर लौटाया जा रहा है। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वो सुनिश्चित करें कि ऐसे लोगों को बिना टीका लगाए वापस नहीं किया जाए। इनकी बुकिंग वैध है और कोविन प्लेटफार्म पर

उसे रद नहीं किया गया है। मंत्रालय ने लाभार्थियों को इसके बारे में बताने के लिए जागरूकता अभियान चलाने को कहा है।

वैक्सीनेशन के लिए पंजीकरण में पोर्टल का बेहतर ढंग से इस्तेमाल करें राज्य-केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि कोविन प्लेटफार्म से जुड़े नए बदलाव राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अधिसूचित कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से लोगों का यह भ्रम भी दूर करने को कहा है कि कोविन पोर्टल तकनीक में कुशल लोगों के लिए फायदेमंद है। राज्यों से कहा गया है कि वे वैक्सीनेशन के लिए पंजीकरण में पोर्टल का बेहतर ढंग से इस्तेमाल करें। बता दें कि केंद्र सरकार ने अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 20 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज मुफ्त उपलब्ध कराई है। सरकार के पास अभी भी 1.84 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज देने के लिए उपलब्ध है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अगले तीन दिनों में लगभग 51 लाख वैक्सीन की डोज मिल जाएगी।

गुजरात के तटीय इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

नई दिल्ली। केरल, कर्नाटक और गोवा के तटीय इलाकों में तबाही मचाने के बाद अरब सागर से उठा चक्रवाती तूफान 'टाक्टे' गुजरात की तरफ आगे बढ़ गया है। शक्तिशाली चक्रवाती तूफान टाक्टे की दस्तक की आशंका के मद्देनजर गुजरात के पश्चिमी इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। आईएमडी के डीजी मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि चक्रवात टाक्टे के 18 मई की सुबह के आसपास भावनगर जिले के पोरबंदर और महुवा के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि 18 मई को गुजरात के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है। इसे देखते हुए जूनागढ़ में मालिया के तटीय इलाकों के पास रहने वाले लोगों को रविवार शाम तक सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया। व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए, क्षेत्र के कलेक्टर सौरभ पारधी ने कहा, 1200 से अधिक लोगों को यहां से निकाला गया है। भोजन और आश्रय के संबंध में सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं।

केरल, कर्नाटक और गोवा के तटीय इलाकों में सैकड़ों घर तबाह-केरल, कर्नाटक और गोवा के तटीय इलाकों में चक्रवात के चलते तेज हवा, भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठीं। चक्रवात के कारण सैकड़ों घरों को नुकसान पहुंचा है और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। इस दौरान तूफान से जुड़े हादसों में छह लोगों की मौत भी हो गई है। हालात से निपटने के लिए एनडीआरएफ के साथ वायुसेना और नौसेना भी मुस्तैद हैं।

ब्लैक फंगस की दवा अचानक गायब, कालाबाजारी शुरू, 12 हजार में एक इंजेक्शन

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमित और रिकवर रोगियों में अचानक से बढ़े ब्लैक फंगस के मामलों ने एक बार फिर मुश्किलें पैदा कर दी हैं। राजधानी के अलग अलग अस्पतालों में भर्ती इन मरीजों के लिए अम्फोटेरीसीन बी नामक इंजेक्शन बाजार से गायब हो चुका है। एक इंजेक्शन की कीमत 12 हजार रुपये तक ली जा रही है, जिसकी वजह से इसकी कालाबाजारी भी पिछले तीन दिन में काफी बढ़ गई है। पहले रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की कालाबाजारी के बाद अब अम्फोटेरीसीन बी इंजेक्शन के लिए लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल राजधानी के तीन अस्पताल एम्स, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और सर गंगाराम अस्पताल को मिलाकर 100 से ज्यादा

> इससे बचने के लिए एक मरीज को 40 से 50 तक इंजेक्शन की खुराक दी जाती हैं।

मरीज उपचाराधीन हैं। अमर उजाला को मिली शिकायत के बाद जब भागीरथी पैलेस, चांदनी चौक के अलावा बड़े दवा दुकानदारों के पास जाकर पड़ताल की गई तो पता चला कि वाकई में यह इंजेक्शन बाजार से गायब हो चुका है। दुकानदारों ने कहा कि पिछले दो-तीन दिन में इस इंजेक्शन की कालाबाजारी काफी बढ़ गई है। दवा नहीं, कैसे करें मरीज भर्तीसर गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर मनीष मुंजल ने बताया कि उनके यहां बीते शनिवार शाम तक 45 ब्लैक फंगस के रोगी भर्ती थे। जिन मरीजों को कोविड के साथ यह संक्रमण है उन्हें भर्ती कर लिया जा रहा है लेकिन नॉन कोविड मरीज के लिए न पर्याप्त बेड हैं और न ही इंजेक्शन। अपने मरीजों के लिए वे लगातार दवा के लिए संपर्क कर रहे हैं लेकिन कहीं भी यह इंजेक्शन उन्हें नहीं मिला। सरकार ने पहले नहीं दिया ध्यानपड़ताल के दौरान पता चला कि कोरोना मरीजों में ब्लैक फंगस के मामले पहली बार सामने नहीं आए हैं। पिछले साल भी सबसे पहले सर गंगाराम अस्पताल ने ऐसे मरीजों का खुलासा किया था लेकिन उस दौरान राज्य व केंद्र सरकार ने ध्यान नहीं दिया। अगर उस समय सतर्कता बरतते हुए इस संक्रमण के बारे में जागरुकता और दवा उत्पादन पर काम किया जाता तो शायद अभी नए मामले और कालाबाजारी नहीं होती। एक मरीज को 40 से 50 तक इंजेक्शनडॉक्टरों के अनुसार ब्लैक फंगस से ग्रस्त मरीज की हालत तेजी से बिगड़ने लगती है। अगर जल्द से जल्द उसे उपचार न मिले तो आंखों की रोशनी या फिर मस्तिष्क तक संक्रमण के पहुंचने का खतरा रहता है।

खांसी-बुखार की निगरानी हो और फोन पर मरीजों को परामर्श दें स्वास्थ्य अफसर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को हर गांव में आशा कार्यकर्ताओं को खांसी-बुखार वाले रोगियों की पहचान और निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 30-30 बिस्तरों की क्षमता वाले कोविड विशेष अस्पताल बनाए जाएं, जहां संक्रमितों को इलाज दिया जाए। संक्रमित मामलों में सामुदायिक स्वास्थ्य अफसर को फोन पर मरीजों को देखने के निर्देश दिए गए हैं। एएनएम को रैपिड एंटीजन टेस्ट का प्रशिक्षण देने को भी कहा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि अब धीरे-धीरे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी कोरोना का फैलाव देखा जा रहा है, ऐसे में क्वारंटीन केंद्र और आइसोलेशन कक्ष बनाए जाएं। देश में ज्यादातर कोरोना के मामले बिना लक्षण वाले हैं, इसलिए इन मरीजों की पहचान होने पर इन्हें होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाएगी। जिनके यहां ऐसी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है उन्हें सरकारी केंद्र में रखा जाएगा।

होम आइसोलेशन में भेजे जाने वाले मरीजों को मिलेगी मुफ्त दवा किट

जिन रोगियों को होम आइसोलेशन में भेजा जाएगा उन्हें सरकार की ओर से एक किट निशुल्क दी जाएगी। इस किट में 500 एमजी की पैरासिटामॉल, विटामिन और आइवरमेक्टिन की गोलियां होंगी। एक फोन नंबर भी दिया जाना चाहिए, जिस पर स्थिति बिगड़ने या सुधरने या फिर ठीक होने के संबंध में जानकारी ली जा सके।

दिशा-निर्देशों की अहम बातें-

संक्रमित मामलों में सामुदायिक स्वास्थ्य अफसर को फोन पर मरीजों को देखने के निर्देश दिए गए हैं। एएनएम को रैपिड एंटीजन टेस्ट का प्रशिक्षण देने को भी कहा गया है।

निगरानी और जांच

आशा द्वारा नियमित रूप से इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी / गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण के लिए सक्रिय निगरानी हो।

पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित संक्रमितों या ऑक्सीजन स्तर घटने के मामले को बड़े स्वास्थ्य संस्थानों को भेजें।

जुकाम-बुखार और सांस से संबंधित संक्रमण के लिए हर उपकेंद्र पर ओपीडी की व्यवस्था हो और दिन में इसका समय तय हो।

संदिग्धों की पहचान होने के बाद उनकी स्वास्थ्य केंद्रों पर रैपिड एंटीजन जांच हो या फिर उनके सैंपल नजदीकी कोविड सेंटरों में भेजे जाएं।

स्वास्थ्य अधिकारियों और एएनएम को भी रैपिड एंटीजन टेस्ट की ट्रेनिंग दी जाए। हर स्वास्थ्य केंद्र और उप केंद्र पर इसकी किट हो।

स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच के बाद मरीज को तब तक आइसोलेट होने की सलाह दी जाए, जब तक उनकी टेस्ट रिपोर्ट नहीं आ जाती।

बिना लक्षण वाले, मगर संक्रमित के संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन करें। ऐसे लोगों की फौरन जांच हो।

संक्रमण के फैलाव और मामलों की संख्या के आधार पर संक्रमितों के संपर्क में आने वालों की पहचान हो।

होम आइसोलेशन में ऑक्सीजन स्तर की निगरानी

80-85 फीसदी संक्रमण के मामले बिना लक्षणों वाले या बेहद कम लक्षणों वाले हैं। ऐसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। इन्हें घरों या कोविड केयर सुविधा में आइसोलेट किया जाए।

कोरोना मरीज के ऑक्सीजन स्तर की जांच बेहद जरूरी है। हर गांव में पर्याप्त मात्रा में पल्स ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर हो।

हर बार इस्तेमाल के बाद थर्मामीटर और ऑक्सीमीटर को सैनिटाइजर में भीगे कपड़े से सैनिटाइज करें।

अग्रिम मोर्चे के कर्मी, स्वयंसेवी और शिक्षक क्वारंटीन और होम आइसोलेशन में गए मरीजों के बारे में लगातार जानकारी के लिए दौरा करें।

सांस लेने में तकलीफ, 94 फीसदी से नीचे ऑक्सीजन का स्तर आने पर, सीने में लगातार दबाव या दर्द होने पर, दिमागी भ्रम या भूलने की स्थिति में तत्काल डॉक्टर से संपर्क करें।

ऑक्सीजन स्तर 94 फीसदी से कम आने पर मरीज को तुरंत ऐसे स्वास्थ्य केंद्र में भेजा जाए, जहां ऑक्सीजन बेड की सुविधा हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ब्लैक फंगस की चिंता

कोरोना से उबरे कई लोगों को एक बहुत गंभीर बीमारी ब्लैक फंगस होने की खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। यह फंगस या फफूंद प्रकृति में काफी पाया जाता है, लेकिन यह बीमारी बहुत आम नहीं है, क्योंकि इसकी प्रवृत्ति ज्यादा संक्रामक नहीं है। पर अगर हो जाए, तो इसका इलाज बहुत आसान नहीं होता और बिना इलाज के यह संक्रमण घातक हो सकता है। भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही कोरोना के बोझ तले चरमराई हुई हैं, ऐसे में यह एक अतिरिक्त बोझ है। हम कह सकते हैं कि देश की चरमराई हुई स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से यह नई मुसीबत आई है। यह संक्रमण आम तौर पर उन लोगों को होता है, जिनका प्रतिरोधक तंत्र किसी वजह से कमजोर हो। डायबिटीज के मरीज भी इसके शिकार हो सकते हैं, क्योंकि उनका शरीर भी नए संक्रमणों का मुकाबला करने में अपेक्षाकृत कमजोर साबित होता है। हालांकि, अभी इस संक्रमण के फैलने की वजह यह दिखाई देती है कि कोरोना के इलाज में शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र को कमजोर करने वाली कॉर्टिकोस्टेराइड या कुछ अन्य दवाएं दी जा रही हैं। कोरोना के इलाज में कुछ हद तक ये ही दवाएं कारगर साबित हुई हैं। कोरोना की अपेक्षाकृत गंभीर स्थिति में वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक तंत्र की प्रतिक्रिया ज्यादा उग्र होती है, जिससे वायरस के साथ-साथ शरीर की अपनी कोशिकाएं भी नष्ट होने लगती हैं। रोग प्रतिरोधक तंत्र को दबाने वाली दवाएं इस प्रतिक्रिया की उग्रता कम करके नुकसान व पीड़ा कम करती हैं। जाहिर है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करने के अपने खतरे हैं और उनके गंभीर दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। इसीलिए इन्हें किसी डॉक्टर की लगातार निगरानी में सावधानी के साथ लिया जाना चाहिए और जैसे ही उनकी जरूरत खत्म हो, उन्हें बंद कर दिया जाना चाहिए। कोरोना में तो अपेक्षाकृत गंभीर मरीजों को ही ये दवाएं दी जानी चाहिए, नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को इनकी जरूरत नहीं होती। हमारे देश में हुआ यह है कि कोरोना विस्फोट के चलते बड़ी तादाद में मरीजों को डॉक्टरों की निगरानी नहीं मिल पाई। ऐसे में, लोग एक-दूसरे की देखा-देखी या सोशल मीडिया पर प्रचारित नुस्खों को देखकर दवाएं लेने लगे। सोशल मीडिया पर यह प्रचारित हो गया कि कॉर्टिकोस्टेराइड डेक्सामेथासॉन कोरोना की सस्ती व कारगर दवा है, और लोग अपने मन से इसे लेने लगे। डॉक्टर भी काम के बोझ के नीचे ऐसे दबे हुए हैं कि एक-एक मरीज पर व्यक्तिगत ध्यान देना या उनकी निगरानी करना उनके लिए नामुमकिन है। वे भी कई बार यह ध्यान नहीं दे पाए कि किस मरीज को इन दवाओं की कितनी जरूरत है और किसे बिल्कुल नहीं। ऐसे में, ब्लैक फंगस जैसे संक्रमण के फैलने के लिए उर्वर जमीन पैदा हो गई। एक और खतरे की ओर कुछ डॉक्टरों ने ध्यान दिलाया है। कुछ लोग हमारे यहां यह प्रचारित कर रहे हैं कि शरीर पर गाय का गोबर लगाने से कोरोना से निजात मिलती है। ध्यान देने की बात यह है कि गोशालाओं, खासकर गोबर में ऐसे फंगस के फलने-फूलने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां होती हैं। कई लोगों को ब्लैक फंगस इस वजह से भी हुआ हो, ऐसी आशंका है। बेहतर यही है कि लोग जहां तक हो सके, डॉक्टरों की सलाह से ही दवाएं लें और अगर ब्लैक फंगस का शक हो, तो किसी भी सूरत में तुरंत इलाज कराएं।

आज के ट्वीट

उपचार

मुझे बताया गया, कि इसके प्रयोग से सामान्य उपचार की अपेक्षा लोग ढाई दिन जल्दी ठीक हुए हैं। साथ ही ऑक्सीजन dependency भी लगभग 40 फ़ीसदी तक कम देखने को मिली है। इसका पाउडर फॉर्म में होना भी इसकी एक बड़ी खासियत है। इसे ORS घोल की तरह इसका इस्तेमाल लोग बड़ी आसानी से कर सकेंगः -- रक्षा मंत्री कार्यालय

प्रभावित मस्तिष्क विचार गढ़ता है

हृदयनारायण दीक्षित

संसार रूपों से भरापूरा है। यहां प्रत्येक रूप के लिए शब्द हैं। रूप का नाम शब्द से प्रकट होता है। प्रत्येक शब्द ध्वनि है। शब्द ध्वनि हमारे मस्तिष्क को सक्रिय करती है। मस्तिष्क में प्रत्येक शब्द का वास्तविक रूप होता है। जैसे समुद्र वास्तविक है। अथाह जलराशि और लहरों का यथार्थ। लेकिन समुद्र नामकरण एक शब्द मात्र है। समुद्र शब्द सुनते ही मस्तिष्क में समुद्र का चित्र उभरता है। शब्द वास्तविक समुद्र का प्रतिनिधि है। यही बात सभी शब्दों पर लागू होती है। नाम और रूप मिलाकर परिचय है। हमारा मस्तिष्क प्रकृति के हरेक प्रपंच से प्रभावित होता है। प्रभावित मस्तिष्क विचार गढ़ता है। विचार का प्रति विचार भी गढ़ता है। बर्कले ने लिखा है, 卐मनुष्य को जिन पदार्थों का ज्ञान होता है वे इन्द्रियों पर अंकित विचार हैं अथवा वे चित्त के व्यापारों व भावों पर ध्यान देने से वैसे प्रतीत होते हैं। वे ऐसे विचार हैं जो स्मृति या कल्पना की सहायता से निर्मित होते हैं। यहां पदार्थ को विचार कहा गया है। लेकिन प्रत्येक विचार भौतिक पदार्थ नहीं होता। भारतीय अनुभूति की ईश्वर धारणा महत्वपूर्ण विचार है लेकिन ईश्वर पदार्थ नहीं है। मस्तिष्क में विचार प्रवाह चला करते हैं। विचार के जन्म के लिए पदार्थों या ध्वनि की जरूरत होती है। मस्तिष्क पर ध्वनि के गहरे प्रभाव पड़ते हैं। शब्द रूप ध्वनि के अर्थ होते हैं। गीत काव्य इसी श्रेणी में आते हैं। मस्तिष्क में इन शब्दों के अर्थ होते हैं। लेकिन शब्द-अर्थ से भिन्न ध्वनियां भी प्रभाव डालती हैं। संगीत इस बात का साक्ष्य है। संगीत का अर्थ नहीं होता। पक्षी अपनी बोली में कुछ न कुछ बोलते हैं। हम कोयल की बोली ध्वनि को गीत कहते हैं। कोयल के बोलने का अर्थ नहीं निकलता। हम कोयल की भाषा का अर्थ नहीं जानते। सभी पक्षी बोलते हैं। हमारा मस्तिष्क उन्हें ध्वनि रूप ग्रहण करता है। भारतीय धार्मिक कर्मकाण्ड में शंख ध्वनि का प्रयोग प्राचीन है। महाभारत युद्ध की शुरूवात शंख ध्वनि से ही हुई थी। सबसे पहले भीष्म ने अपना शंख बजाया। गीता (अध्याय 1.131) के अनुसार इसके बाद शंख, नगाड़े बिगुल तुरही तथा सींग एक साथ बज उठे। यहां ध्वनि प्रभाव पर जोर है। आगे कहते हैं श्रीकृष्ण ने पांचजन्य, अर्जुन ने देवदत्त, व भीम ने पौण्ड्र नामक शंख बजाए। युधिष्ठिर ने अनंत विजय नामक शंख बजाया। नकुल ने सुघोष व सहदेव ने मणि पुष्पक शंख बजाया। विभिन्न शंखों की ध्वनि कोलाहलपूर्ण बन गई। (वही 19) गीताकार ने कोलाहल शब्द का उचित प्रयोग किया है। कोलाहल भी महत्वपूर्ण ध्वनि है। विचार भाषा में प्रकट होते हैं। उनका अर्थ समझना आसान है। एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद भी संभव है लेकिन संगीत का अनुवाद नहीं होता। संगीत की अभिव्यक्ति शब्दों में नहीं होती। संगीत का निर्माण ध्वनि से हुआ है। यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस ने काठ पर तारों की तंत्री बांधकर संगीत का प्रयोग किया था। ऋग्वेद में अनेक वाद्यमंत्रों के उल्लेख हैं। संगीत का अर्थ नहीं होता। लेकिन श्रोता को संवेदन से भरता है। कभी आनंद से कभी विषाद से। मैं स्वयं संगीत प्रेमी हूं और संगीत के साथ गीत का भी। यह हमारे मस्तिष्क को ताजा करता है। ध्वनि तरंगें मस्तिष्क के विशेष क्षेत्र पर प्रभाव डालती है। भारत के मंदिरों में मुख्य द्वार पर घंटा होता है। मंदिर प्रवेश के श्रद्धालु के मस्तिष्क में अनेक विचार चल रहे होते हैं। वह प्रवेश करते ही घंटा बजाता है। घंटा ध्वनि उसके मस्तिष्क में जाती है। उसके सोच विचार भंग हो जाते हैं। उसका मस्तिष्क नए विचार ग्रहण के लिए तैयार हो जाता है। मनुष्य आदिम काल से ध्वनियों के प्रति संवेदनशील रहा है। शेर के बोलने को दहाड़ कहा जाता है। बिल्ली के रोने को अशुभ माना गया है। वह रोती या गाती है, वही जानती है लेकिन मनुष्य ने उसके बोलने को रोना बताया। वर्षा काल में मेढ़क बोलते हैं। ऋग्वेद के ऋषि ने मेढकों के बोलने को वैदिक मंत्रों को ध्वनि से तुलना की। तुलसीदास ने मेढ़कों की ध्वनि की तुलना वेद पाठी मंत्रों से की – दादुरि धुनि चहुं ओर सुहाई/ वेद पढ़हिं जनु बट समुदाई। ध्वनि को अपने अपने अर्थ से लिया जाता रहा है। नदी प्रवाह में भी धुन होती है। अथर्ववेद में ऋषि नदी से कहते हैं हे सरिताओं आप नाद करते हुए बहती हैं इसलिए आपका नाम नदी पड़ा। वस्तुतः सभी ध्वनियां संघर्षण से पैदा है। अस्तित्व के घटकों की गति में अनेक ध्वनियां हैं। सब ध्वनियां मिलकर भी एक महानाद पैदा करती है। महानाद परम ध्वनि है। अस्तित्व का किसी से संघर्ष नहीं हैं। वह स्वयंपूर्ण है। वह एक है। अस्तित्व में द्वैत नहीं है। अस्तित्व की ध्वनि को पूर्वजों ने अनाहत नाद कहा है। यह संपूर्णता की संपूर्ण ध्वनि है। ऋषियों ने इसे ओम् कहा है। ओम् संपूर्ण ध्वनि है। यह परम है। पतंजलि ने भी अस्तित्व की ध्वनि को 'तस्यवाचक प्रणवं' कहा है। अस्तित्व को ओ3म् नाम से पुकारते हैं। भारतीय दर्शन परंपरा में ओम् को लेकर कोई असहमति नहीं है। ऋग्वेद से लेकर सभी वेदों व उपनिषदों व पुराणों में ओ3म् ध्वनि की महत्ता है। वैदिक मंत्र भी ध्वनि है। कुछ मंत्र समाज व्यवस्था के सूचक हैं। लेकिन अनेक मंत्र स्तुतियां हैं। स्तुति का केन्द्र भाव है। स्तोता भाव और मंत्रो का प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है। इसी प्रभाव से मस्तिष्क अपने भीतर तमाम रसायन पैदा करता है। एक शोध के अनुसार बचपन से ही वैदिक मंत्रोच्चार करने वालों का मस्तिष्क से तेज होता है। उनकी स्मरण शक्ति व समझने की क्षमता बेहतर होती है। इसका मूल कारण मंत्रोच्चार से दिमाग में होने वाले सकारात्मक बदलाव है। ऐसे लोग भावना प्रधान, तर्कशील भी होते हैं। यह बात एस0जी0पी0जी0आई0 कैंपस स्थित सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च के अध्ययन में सामने आई है।

सीबीएमआर के ब्रेन मैंपिंग विशेषज्ञ डॉ0 उत्तम कुमार, डॉ0 अंशिका सिंह व क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बंगलुरू के साइकोलॉजी विभाग के डॉ0 प्रकाश ने यह अध्ययन किया। इसमें 21 से 28 आयु वर्ग के 50 युवाओं को शामिल किया गया। 25 युवा ऐसे थे जो 9 से 11 साल तक गुरुकुल में रहकर वेदों का अध्ययन करने के बाद वैदिक मंत्रोच्चार कर रहे हैं। इन्हें 20,000 मंत्र व श्लोक कंठस्थ हैं। ये संस्कृत बोलते, लिखते व पढ़ते हैं। दूसरे ग्रुप में 25 ऐसे युवाओं को लिया गया जो हिंदी, संस्कृत व अंग्रेजी जानते समझते हैं। वे संस्कृत लिखते पढ़ते हैं, लेकिन नियमित तौर पर मंत्रोच्चार नहीं करते। काउंसिलिंग के बाद फंक्शनल एमआरआई से सभी की ब्रेन मैपिंग की गई। अध्ययन में मस्तिष्क के स्कोर के हिसाब से डाटा का आकलन किया गया। मस्तिष्क की संरचना के आधार पर वैदिक मंत्रोच्चार को लेकर यह अध्ययन महत्वपूर्ण है। इससे मानसिक व न्यूरो से जुड़ी बीमारियों के इलाज में काफी मदद मिलेगी। डॉ0 कुमार बताते हैं कि कोरोना काल में लोगों में मानसिक समस्या बढ़ी हैं। ऐसे में उनके इलाज के लिए तैयार होने वाले नए प्रोटोकाल को बनाने में इस अध्ययन से मदद मिलेगी। डॉ0 कुमार ने बताया कि मंत्रोच्चार वालों में मस्तिष्क की मेमोरी (हिप्पोकेंपस) का स्कोर सामान्य की अपेक्षा ज्यादा मिला। जब इंसान अवसाद में होता है तो ये हिप्पोकंपस मरने लगते हैं। इसी तरह लिखने, समझने व किसी बात को संग्रह करने वाले हिस्से (थैलमस) में मैटर ज्यादा मिला। वैदिक अध्ययन करने वालों की स्मृति तेज होती है। इनमें ब्रेन न्यूरॉन्स की मोटाई ज्यादा मिली, जिससे उन्हें संदेश जल्दी पहुंचता है। उच्चारण को नियंत्रित करने वाले लेफ्ट इंसुला के ज्यादा सक्रिय होने से उच्चारण की शुद्धता बढ़ जाती है। एंगुलर गायरिस में बदलाव की वजह से रिकॉल क्षमता ज्यादा हो जाती है। लगातार मंत्रोच्चार से मस्तिष्क के मध्य स्थित संदेशवाहक न्यूरॉन्स ज्यादा सक्रिय मिले। मस्तिष्क के सभी रहस्यों से पर्दा उठना शेष है। जान पड़ता है कि वैदिक ऋषियों ने मंत्र गान के माध्यम से मस्तिष्क की गतिविधि पर सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता प्राप्त कर ली थी।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हैं।)

ज्ञान गंगा

आत्मनियंत्रण

श्रीराम शर्मा आचार्य

असंयम को अपना कर हमने अपना स्वास्थ्य खोया है। चटोरेपन और कामवासना पर नियंत्रण करने का जिस दिन निश्चय कर लिया उसी दिन बिगड़ी बनने लगेगी। आहार और विहार का संयम रखकर जब सृष्टि के एकोएक प्राणी गेंद की तरह उछलते-कूदते, निरोगिता और दीर्घ जीवन का लाभ उठाते हैं तो हम क्यों न उठा सकेंगे? बन्दरिया मरे बच्चे को जैसे छाती से चिपटाये फिरती है उसी प्रकार असंयम की भुजाओं में कस कर हम भी अस्वस्थता को छाती से चिपटाये फिर रहे हैं। जहां यह कसकर पकड़ने की प्रक्रिया ढीली हुई नहीं कि अस्वस्थता और अकाल मृत्यु से पीछा छूटा नहीं। तुच्छ स्वाथरे की संकीर्णता ने हमारे मनःक्षेत्र को गंदा कर रखा है। उदार और विशाल दृष्टि से न सोचकर हर बात को हम अपने तुच्छ स्वाथरे की पूर्ति की दृष्टि से सोचते हैं, अपना लाभ ही हमें लाभ प्रतीत होता है। दूसरों का लाभ, दूसरों का हित, दूसरों का दृष्टिकोण, दूसरों का स्वार्थ भी यदि ध्यान में रखा जा सके, अपने स्वार्थ में दूसरों का स्वार्थ भी जोड़कर सोचा जा सके, अपने सुख दुख में दूसरों का सुख-दुख भी सम्मिलित किया जा सके तो निश्चय ही विशाल और उदार दृष्टिकोण हमें प्राप्त होगा। और फिर उसके आधार पर जो कुछ सोचा या किया जाएगा सब कुछ पुण्य और परमार्थ ही होगा। वासना और तृष्णा ने हमें अन्धा बना दिया है संयम और सेवा की रोशनी यदि अपनी आंखों में चमकने लगे तो पिछले क्षण तक जो सर्वत्र नरक जैसा अंधकार फैला दिखता था वह स्वर्गीय प्रकाश में परिवर्तित हो सकता है। तुच्छता को महानता में, स्वार्थ को परमार्थ में, संकीर्णता को उदारता में परिणत करते ही मनुष्य तुच्छ प्राणी न रहकर महामानव बन जाता है-देवताओं की श्रेणी में जा पहुंचता है। मन स्फटिक मणि के समान स्वच्छ है। हमारा अविवेक ही उसे मलीन बनाये हुए हैं। दृष्टिकोण का परिवर्तन होते ही उसकी मलीनता दूर हो जाती है और स्वाभाविक स्वच्छता निखर पड़ती है। स्वच्छ मन वाला व्यक्ति आनन्द की प्रतिमूर्ति ही तो है। वह अपने आपको तो हर घड़ी आनन्द में सराबोर रखता ही है, उसके समीपवर्ती लोग भी चन्दन के वृक्ष के समीप रहने वालों की तरह सुवासित होते रहते हैं। अपने मन का, परिवर्तन भी क्या हमारे लिए कठिन है? दूसरों को सुधारना कठिन हो सकता है-पर आप को क्यों नहीं सुधारा जा सकेगा?

समरसता के संकल्प से बहुधार्मिकता को छांव

विश्वनाथ सचदेव

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में एक छोटा-सा गांव है राजनपुर। कुल 1600 की आबादी वाले इस गांव में सिर्फ एक मुस्लिम परिवार है। बाकी गांव वालों की तरह ही खेती ही इस परिवार का आधार है, और यह परिवार हिंदू-बहुल पूरे गांव को अपना परिवार मानता है। हाल ही में हुए ग्राम पंचायत के चुनाव में राजनपुर के लोगों ने एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है—गांव ने इस इकलौते मुस्लिम परिवार के मुखिया को अपना मुखिया चुना है। कुल 600 मतदाताओं में से 200 ने हाफिज़ अज़ीमुद्दीन के पक्ष में वोट देकर कौमी एकता की एक ऐसी मिसाल पेश की है जो बाकियों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यह पहली बार नहीं है जब इस इकलौते परिवार का कोई सदस्य गांव का प्रधान बना है। बरसों पहले अज़ीमुद्दीन के पिता भी गांव के प्रधान चुने गये थे। अज़ीमुद्दीन इस जीत को 'अपनी ईदी' मानते हैं। जो उनके ग्राम-परिवार ने उन्हें दी है। छह उम्मीदवार और थे मैदान में। सब हिंदू। पर गांव ने एक मुसलमान को अपना मुखिया चुना। ज्ञातव्य है कि गांव के कई हिंदू परिवारों ने अज़ीमुद्दीन के लिए व्रत भी रखा था और उनके जीत जाने पर गांव भर में मिठाई बंटी! वैसे एक पंथ-निरपेक्ष देश में यह एक सामान्य बात होनी चाहिए। इसका एक उदाहरण के रूप में सामने रखा जाना कुल मिलाकर उस वातावरण पर एक सार्थक टिप्पणी है, जो हमारे देश की राजनीति ने बना दिया है। भले ही हमारा संविधान समता और बंधुता की दुहाई देता हो, पर राजनीतिक स्वार्थों के चलते धर्म और जाति आज भी हमारी राजनीति के हथियार बने हुए हैं। वैसे, भगवान राम की नगरी अयोध्या में पहले भी चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवार जीते हैं, पर पिछले एक अर्से में धर्म के आधार पर समाज के बंटवारे के ऐसे कई उदाहरण सामने आये हैं जो देश को परेशान करने वाले हैं। पर सवाल इन उदाहरणों का नहीं है, सवाल उस राजनीतिक माहौल का है जो पिछले एक अरसे से देश-समाज में गहराता जा रहा है। धार्मिक आधार पर हुए देश के बंटवारे के बावजूद हमारे संविधान-निर्माताओं ने किसी भी धर्म को राजधर्म स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। यह उनके विवेक का ही परिणाम है कि हमने एक ऐसे देश की परिकल्पना को साकार किया जहां धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। हमने सर्व धर्म समभाव के दर्शन को स्वीकारा। हमारा संविधान इस बात की गारंटी देता है कि यहां हर नागरिक को अपने धार्मिक विश्वास के साथ जीने की आज़ादी है। यह सही है कि देश में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदुओं की है पर इसके बावजूद शेष बीस प्रतिशत मुसलमानों, ईसाइयों और सिखों आदि को वह सब अधिकार प्राप्त हैं जो एक स्वतंत्र देश के नागरिक को मिलने चाहिए। लेकिन, सही यह भी है कि हिंदुस्तान को हिंदुओं का स्थान मानने वाली मानसिकता भी जब-तब सिर उठा लेती है। धर्म के नाम पर राजनीतिक हानि-लाभ का गणित लगाने वालों को इस बात से शायद कोई अंतर नहीं पड़ता कि उनकी सोच से हमारे देश की महानता मलिन ही होती है। बहरहाल, धर्म को हथियार बनाने की यह प्रवृत्ति चुनावों के समय अक्सर अपना सिर उठा लेती है। हाल ही में हुए बंगाल के चुनाव में धर्म के आधार पर वोटों का बंटवारा किसी से छिपा नहीं है। मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस में था- और दोनों एक-दूसरे पर धर्म के आधार पर वोट जुटाने का आरोप लगा रहे थे। भाजपा का कहना था कि ममता की पार्टी ने मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति अपनाई है और तृणमूल वाले लगातार यह बात कहते रहे कि भाजपा राम के नाम पर हिंदुओं के वोट पाने की कोशिश कर रही है। दुर्भाग्य से, दोनों के आरोप बेबुनियाद नहीं हैं। यह सही है कि भाजपा को हराने के लिए पश्चिम बंगाल के मुसलमानों ने तृणमूल कांग्रेस को वोट दिये। पर यह भी उतना ही सही है कि 'जयश्री राम' को चुनावी नारा बनाकर भाजपा ने भी धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की नीति अपनायी। ध्रुवीकरण की इस नीति को दुर्भाग्यपूर्ण ही माना-कहा जा सकता है। राजनीतिक स्वार्थों के लिए जिस तरह समाज को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है, वह किसी भी दृष्टि से देश के हित में नहीं है। हमारा भारत महान है तो इसलिए नहीं कि यहां किसी धर्म-विशेष का बोलबाला है। भारत की महानता इसमें है कि यहां हर धर्म के व्यक्ति को अपने विश्वासों के आधार पर जीने का अधिकार है। सांप्रदायिक भाईचारा हमारी एक पहचान भी है और ताकत भी। बहुजन हिताय नहीं, सर्वजन हिताय में विश्वास करता है हमारा भारत। 'ईश्वर- अल्लाह तेरा नाम' के मंत्र के साथ सबकी सन्मति की कामना करने वाली हमारी मान्यता मंदिर-मस्जिद के बंटवारे की नहीं, सभी धार्मिक स्थलों को आदर की दृष्टि से देखने का आग्रह करती है। बहुधर्मिता हमारी कमज़ोरी नहीं, हमारी ताकत है। बहुलतावाद को किसी भी रूप में स्वीकारने का मतलब अपनी इस ताकत को कमज़ोर करना है। अयोध्या जिले के राजनपुर गांव के मुट्ठी भर लोगों ने धर्म के नाम पर समाज के बंटवारे को अस्वीकार करते हुए सारे देश को एक चुनौती दी है। यह चुनौती धार्मिक आधार पर बंटवारे को अंगूठा दिखाने की है। उस पूरे गांव में सिर्फ एक मुस्लिम परिवार होने के बावजूद हाफिज़ अज़ीमुद्दीन का प्रधान चुना जाना सांप्रदायिकता की राजनीति करने वालों के गाल पर एक तमाचा है। अज़ीमुद्दीन के घर पर ईद पर सिवैया बनती हैं, और होली पर गुजिया भी। सिवैयों और गुजिया की यह परंपरा बनी रहे, फले-फूले, इसी में देश का भला है। आवश्यकता धार्मिक सद्भाव के मर्म को समझाने की है। इस देश के नागरिक किसी भी धर्म को मानने वाले हो सकते हैं, पर इस बात को कभी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि मूलतः हम सब भारतीय हैं। मैं कहना चाहूंगा, मूलतः हम इनसान हैं। राजनपुर ने इस इनसानियत का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यदि राजनपुर यह उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है तो देश के सात लाख गांव क्यों नहीं? हर धर्म हमें इनसान बनने की शिक्षा देता है। सवाल उठता है, हम इस शिक्षा की बात को अनसुना करके सांप्रदायिकता की आंच पर अपनी रोटियां सेंकने वालों की बात क्यों सुनें? हम उन्हें क्यों न कहें कि हम उनकी चालों में नहीं आयेंगे? आइए, हम राजनपुर से कुछ सीखें। उम्मीद करें कि हमारे नेता भी कुछ सीखेंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

रुपया 7 पैसे महजबूत हो प्रति डॉलर 73.22 पर

मुंबई: वैश्विक स्तर पर डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपए की विनिमय दर सोमवार को प्रति डॉलर सात पैसे मजबूत होकर 73.22 (अनंतिम) पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर सुबह 73.24 पर खुला। दिन में 73.16 के उच्च स्तर और 73.26 के निम्न स्तर को छूने के बाद अंत में रुपए की विनिमय दर पिछले बंद के मुकाबले सात पैसे की मजबूती के साथ 73.22 प्रति डॉलर पर बंद हुई। शुक्रवार को डॉलर का बंद भाव 73.29 था। पिछले दो कारोबारी सत्रों में रुपए में 20 पैसे की तेजी आई है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की तुलनात्मक स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत गिरकर 90.23 पर था। वैश्विक कच्चा तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.19 प्रतिशत चढ़कर 68.84 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 848.18 अंक सुधर कर 49,580.73 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में बिकवाल बने हुए है। उन्होंने शुक्रवार को बाजार में 2,607.85 करोड़ रुपए की धन निकासी की थी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली बिक्री शुरू

मुंबई। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली बिक्री सोमवार से शुरू हो रही है। इसमें 21 मई तक गोल्ड बॉन्ड में निवेश किया जा सकेगा। यह पांच दिन तक चलेगी। ये बॉन्ड भारत सरकार की तरफ से आरबीआई जारी करता है। केंद्र सरकार मई 2021 से सितंबर 2021 के बीच सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 के तहत गोल्ड बांड्स को 6 किस्तों में जारी करेगी। इसका पहला ट्रांच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। गोल्ड बॉन्ड के लिए इश्यू प्राइस 4777 रुपए प्रति ग्राम रखा गया है। मतलब 10 ग्राम के लिए आपको 47,770 रुपए खर्च करने होंगे। ऑनलाइन तरीके से आवेदन और पेमेंट करने पर 50 रुपए प्रति ग्राम का डिस्काउंट भी मिलेगा। सॉवरने गोल्ड बॉन्ड का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल का है। 17 से 21 मई के बीच पहली सीरीज के लिए खरीद की जा सकेगी। इसके लिए बॉन्ड 25 मई को जारी किए जाएंगे। इसके बाद 24 मई से 28 मई तक दूसरी सीरीज के लिए सब्सक्रिप्शन खुलेगा, इस अवधि के लिए 1 जून को गोल्ड बॉन्ड इश्यू किए जाएंगे। फिर 31 मई से 4 जून तक तीसरी सीरीज आएगी, इसके लिए गोल्ड बॉन्ड 8 जून को जारी होंगे। 12 जुलाई से 16 जुलाई तक तौथी सीरीज का सब्सक्रिप्शन खुलेगा, इसके लिए बॉन्ड जारी होने की तारीख 20 जुलाई है। 9 अगस्त से 13 अगस्त तक पांचवीं सीरीज खुलेगी, जिसके लिए बॉन्ड 17 अगस्त को जारी होंगे। 30 अगस्त से 3 सितंबर तक छठी सीरीज खुली रहेगी, इसके लिए 7 सितंबर को गोल्ड बॉन्ड इश्यू होंगे।

आरबीआई ने चेताया, 23 मई को कुछ घंटे बंद रहेगी एनईएफटी सेवा

नई दिल्ली। डिजिटल ट्रांजेक्शन करने वालों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सूचना जारी की है। केन्द्रीय बैंक ने कहा है कि टेक्निकल अपग्रेड के चलते एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रा निक फंड ट्रांसफर) सेवा 23 मई को कुछ घंटों के लिए काम नहीं करेगी। इसलिए ग्राहक पहले से पैसों के ट्रान्सफर को लेकर योजना बना लें। आरबीआई ने इस बारे में ट्वीट भी किया है। आरबीआई ने कहा है कि एनईएफटी सेवा का परफॉरमेंस और रिजीलिएंस को बेहतर बनाने के लिए टेक्निकल अपग्रेड किया जा रहा है। यह अपग्रेडेशन 22 मई को कारोबार बंद होने के बाद होगा। इसकी वजह से 22 मई के बाद रात 12 बजे से लेकर रविवार 23 मई को दोपहर 2 बजे तक एनईएफटी सेवा उपलब्ध नहीं होगी। केन्द्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि इस दौरान आरटीजीएस सर्विस प्रभावित नहीं होगी। इससे पहले 18 अप्रैल को आरटीजीएस को लेकर ऐसा ही टेक्निकल अपग्रेड पूरा हो चुका है।

आम उत्पादक फिर से कोरोना कर्फ्यू की चपेट में, नहीं मिल रहे खरीदार

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मलिहाबाद के आम उत्पादकों को लगातार दूसरे साल खरीदारों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। मलिहाबाद में उगाए जाने वाले आम की प्रसिद्ध दशहरी किस्म मई के अंत तक बाजार में आने के लिए तैयार है, लेकिन लंबे समय तक कोरोना कर्फ्यू खरीदारों को दूर रखा है। अखिल भारतीय आम उत्पादक संघ के अध्यक्ष इंसराम अली ने कहा कि आम की फसल के लिए अब तक मौसम अनुकूल बना हुआ है। उन्होंने कहा, अनुकूल तापमान, गरज की कमी और छिटपुट बारिश ने फसल को फलने-फूलने में मदद की है। हमें उम्मीद है कि अगले 10 दिनों में दशहरी आम तैयार हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा, कर्फ्यू का समय आम उत्पादकों के लिए मुसीबत बना हुआ है। अली ने कहा, यह वह समय है जब फसल को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन महामारी ने लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया है और हम श्रम की कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस समय तक हमें ऐसे ठेकेदार मिल जाते थे जो हमसे फसल खरीदकर बाजार में बेचते थे। लेकिन 70 प्रतिशत से अधिक बाग अभी भी खरीदारों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कर्फ्यू के कारण मंडियां बंद हैं और आमों की शेल्फ लाइफ लंबी नहीं होती है। यदि प्रतिबंध जारी रहे, तो अधिकांश लोगों को दशहरी का स्वाद नहीं मिल पाएगा। इसके अलावा, यदि एक अवधि से अधिक समय तक संग्रहीत किया जाता है तो फल अपना स्वाद और सुगंध खो सकता है। पिछले साल भी मई में लॉकडाउन के कारण आम की ज्यादातर फसल बाजार में नहीं पहुंच पाई थी।

कोलगेट पामोलीप के चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 54.1 प्रतिशत बढ़कर 314.6 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली. प्रमुख एफएमसीजी कंपनी, कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने सोमवार को बताया कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 54.1 प्रतिशत बढ़कर 314.6 करोड़ रुपये हो गया। बिक्री में सुधार से लाभ सुधरा है। कंपनी ने एक साल पहले इसी दौरान 204.15 करोड़ रुपये का लाभ दिखाया था। कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान इसकी शुद्ध बिक्री 20.2 प्रतिशत बढ़कर 1,275.01 करोड़ रुपये की हो गई, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में उसने 1,062.35 करोड़ रुपये की बिक्री की थी। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) के प्रबंध निदेशक राम राघवन ने कहा कि कंपनी ने अपने सभी खंडों में मजबूत वृद्धि की है।

अप्रैल में थोक महंगाई 10.49 फीयदी के सार्वका लिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कच्चे तेल और विनिर्मित वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) अप्रैल में अब तक के उच्चतम स्तर 10.49 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके अलावा पिछले साल अप्रैल के कम आधार ने भी अप्रैल 2021 के दौरान मुद्रास्फीति में हुई बढ़ोतरी में योगदान दिया। मार्च 2021 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 7.39 प्रतिशत और अप्रैल 2020 में ऋणात्मक 1.57 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति में लगातार चौथे महीने तेजी हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल 2021 (अप्रैल 2020 के मुकाबले) में मासिक डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर 10.49 प्रतिशत थी। मुख्य रूप से कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल जैसे खनिज तेलों और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते अप्रैल 2021 में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर पिछले साल के इसी महीने की तुलना में अधिक है। इस दौरान अंडा, मांस और मछली जैसी प्रोटीन युक्त खाद्य उत्पादों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.92 प्रतिशत रही। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में 9.03 प्रतिशत की कमी हुई। दूसरी ओर अंडा, मांस और मछली की कीमतें 10.88 फीसदी बढ़ीं। अप्रैल में दालों की महंगाई दर 10.74 फीसदी थी, जबकि फलों में यह 27.43 फीसदी रही। इसी तरह ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति अप्रैल में 20.94 प्रतिशत रही, जबकि विनिर्मित उत्पादों में यह 9.01 प्रतिशत थी।

सेंसेक्स 848 अंक उछला, निफ्टी 14900 के पार हुआ बंद

(एजेंसी):

सोमवार को शेयर बाजार में बढ़त देखी गई। बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 848.18 (1.74प्रतिशत) अंकों की तेजी के साथ 49,580.73 और निफ्टी 245.35 (1.67प्रतिशत) अंक ऊपर चढ़कर 14,923.15 अंक पर बंद हुआ।इससे पहले सेंसेक्स 258.15 अंकों की तेजी के साथ 48,990.70 और निफ्टी 78.45 पॉइंट ऊपर खुला। हेल्थकेयर सेक्टर के ज्यादातर शेयरों में बढ़त है। सन फार्मा एडवांस रिसर्च के शेयर में करीब 8त्र का उछाल है। सुबह 10.25 बजे सेंसेक्स 456.52 (0.94प्रतिशत) अंक चढ़कर 49,189.07 और निफ्टी 122.35 (0.83प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 14,800.15 पर कारोबार कर रहा है।

दिग्गज शेयरों का हाल

दिग्गज शेयरों की बात करें, तो आज शुरुआती कारोबार के दौरान आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, बजाज ऑटो, रिलायंस, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, ओएनजीसी, एचसीएल टेक और डॉक्टर रेड्डी के शेयर हरे निशान पर खुले। वहीं एशियन पेंट्स, एल एंड टी, एम एंडएम, टाइटन, सन फार्मा, एनटीपीसी और भारती एयरटेल के शेयर लाल निशान पर खुले

शुक्रवार को सपाट स्तर पर बंद हुआ था शेयर बाजार

शुक्रवार को शेयर बाजार सपाट स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 41.75 अंक यानी 0.09 फीसदी ऊपर 48732.55 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 18.70 अंक यानी 0.13 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 14677.80 के स्तर पर बंद हुआ था।

जापान के बाजार में गिरावट, हांगकांग में बढ़त

- जापान का निक्केई इंडेक्स 335 पॉइंट नीचे 27,749 पर कारोबार कर रहा है।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 35 अंक की बढ़त के साथ 3,525 पर बना है।
- हांगकांग का हेंगसेंग इंडेक्स 143 पॉइंट ऊपर 28,153 पर कारोबार कर रहा है।
- कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 18 अंकों की गिरावट के साथ 3,135 पर आ गया है।

- ऑस्ट्रेलिया का ऑल ऑर्डनरीज इंडेक्स 30 पॉइंट ऊपर 7,269 पर पहुंच गया है।

अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद

शुक्रवार को सभी अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोंस 1.06प्रतिशत की बढ़त के साथ 360.68 अंक ऊपर 34,382.10 पर बंद हुआ था। नैस्डैक 2.32प्रतिशत की बढ़त के साथ 304.99 अंक ऊपर 13,430.00 पर बंद हुआ। **S&P** 500 इंडेक्स 61.32 पॉइंट ऊपर 4,173.82 पर बंद हुआ था। इधर, फ्रांस और जर्मनी के बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

स्कूटर के लिए वायरलेस चार्जिंग सॉल्यूशंस लेकर आया एलजी इलेक्ट्रिक

सोल (एजेंसी)।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने सोमवार को इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए वायरलेस चार्जिंग सॉल्यूशंस पेश किए, क्योंकि दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज मोबिलिटी सेक्टर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने पर नजर बनाए हुए है। एलजी ने कहा कि उसने स्थानीय इलेक्ट्रिक स्कूटर शेयरिंग सर्विसेज (साझाकरण सेवा) प्रदाता किकगोइंग के साथ साझेदारी में सोल के पश्चिम में बुकियन में इलेक्ट्रिक स्कूटर वायरलेस चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। सोल और अन्य क्षेत्रों में विस्तार करने से पहले दोनों ही कंपनी अगले छह महीनों के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर वायरलेस चार्जिंग सॉल्यूशंस की उपयोगिता और सुरक्षा की पुष्टि करेंगे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एलजी ने कहा कि 20 वायरलेस चार्जिंग किकस्पॉट वर्तमान में बुकियन में पांच पार्किंग क्षेत्रों में उपलब्ध हैं और वे वायरलेस चार्जिंग रिसीवर पैड के साथ स्थापित हैं। दोनों कंपनियां इलेक्ट्रिक स्कूटर शेयरिंग सेवाओं में दक्षता बढ़ाने और अधिक यूजर्स को जोड़ने के लिए नवीनतम समाधानों की अपेक्षा करती हैं। वे उन यूजर्स के लिए मूल्य छूट या विशेष डिस्काउंट की पेशकश करने की योजना बना रहे हैं, जो अपने स्कूटर को वायरलेस चार्जिंग स्टेशनों पर लेकर आते हैं। वायरलेस पावर ट्रांसफर टेक्नोलॉजी में बहुराष्ट्रीय गठबंधन, वायरलेस पावर कंसोर्टियम के बोर्ड सदस्य एलजी ने कहा कि वह व्यक्तिगत गतिशीलता व्यवसाय के संबंध में किकगोइंग के साथ और तालमेल बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। स्थानीय स्टार्टअप ओलुलो द्वारा संचालित किकगोइंग ने सितंबर 2018 में इलेक्ट्रिक स्कूटर शेयरिंग सेवाएं शुरू की थी और इसने अभी तक यहां 12 लाख ग्राहक जोड़ लिए हैं।

लुफ्थांसा दुबई के बजाय बहरीन से करेगी उड़ानों का संचालन

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

विमानन कंपनी लुफ्थांसा जर्मनी और भारत के बीच सप्ताह में अपनी दस उड़ानों का संचालन दुबई की बजाय अब बहरीन से करेगी। यह निर्णय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा हाल ही में कोविड-19 के कारण लगाए गए प्रतिबंध के बाद लिया गया है। विमानन कंपनी ने कहा कि उड़ान संचालन में यह बदलाव यूएई के उस निर्णय के बाद लिया गया है जिसमें उसने भारत से आने वाली उड़ानों पर यात्रियों के पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है। लुफ्थांसा कंपनी दरअसल भारत और जर्मनी के बीच निरंतर उड़ानों की बजाय सप्ताह में दस उड़ानों का संचालन कर रही थी ताकि चालक दल के सदस्यों को भारत में रुकने की जरूरत न पड़े। वर्तमान में चालक दल के सदस्यों की अदला-बदली भारत के बजाय खाड़ी देशों से हो रही हैं। विमानन कंपनी ने यह निर्णय भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को ध्यान में रखते हुए लिया है। वही नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ सप्ताह के दौरान घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या प्रतिदिन 2.2 लाख से घटकर लगभग 75,000 रह गई है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स इस वित्त वर्ष में आवासीय इकाइयों में 2,800 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी):

रियल्टी क्षेत्र की कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष के दौरान निर्माण कार्यों में अपना निवेश बढ़ाकर दुगुना करेगी और पिछले साल राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण अटकी पड़ी परियोजना में काम तेज करते हुए 2,800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स को पहले लोधा डेवलपर्स के नाम से जाना जाता था। कंपनी पिछले महीने ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई है। कंपनी 2,500 करोड़ रुपए का आईपीओ जारी करने के बाद शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढा ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बावजूद रियल एस्टेट क्षेत्र को लेकर कंपनी काफी उत्साहित है, खासतौर से आवासी संपत्ति बाजार में उसका भरोसा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-मई के दौरान आवास मांग कमजोर रही है लेकिन अगले महीने से यह गति पकड़ सकती है। उन्होंने कहा, ''बिक्री कारोबार हो रहा है लेकिन संभावित खरीदार के आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण उस स्थल पर नहीं जा पाने के

कारण इस पर प्रभाव बना हुआ है। लोढा ने कहा कि कंपनी अगले कुछ सालों के दौरान मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे में ही आवासीय और भंडारगृह संपत्तियों पर ध्यान केन्द्रित करेगी। उन्होंने कहा कि ई-वाणिज्य क्षेत्र की तरह ही इन दो श्रेणियों में महामारी के दौरान आकर्षण रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल कंपनी का निर्माण कार्य में 1,400 करोड़ रुपए के करीब खर्च हुआ है और चालू वित्त वर्ष के दौरान कंपनी का 2,800 करोड़ रुपए के करीब खर्च करने का अनुमान है।

मॉडर्ना और फाइजर की वैक्सीन के लिए स्टोरेज यूनिट्स बना रही टाटा और गोदरेज

कोलकाता (एजेंसी)।

टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास और गोदरेज समूह की गोदरेज अप्लायंसेज फाइजर और मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीनों के लिए स्टोरेज यूनिट्स बना रही हैं। इन वैक्सीनों को बहुत कम तापमान पर स्टोर करना पड़ता है। गोदरेज और टाटा न केवल वैक्सीन स्टोरेज यूनिट्स का प्रॉडक्शन बढ़ा रही हैं बल्कि टेक्नोलॉजी भी अपग्रेड कर रही हैं। कोल्ड चेन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की एक और कंपनी ब्लू स्टार भी कोवैक्सिन और कोविशील्ड के लिए मेडिकल रेफ्रिजरेशन यूनिट्स का उत्पादन बढ़ा रही है। जल्दी ही बड़ी संख्या में इनकी आपूर्ति की जाएगी। साथ ही कंपनी रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी और जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीनों के लिए भी स्टोरेज यूनिट्स बना रही है। कंपनी का कहना है कि उसकी मेडिकल फ्रीजर में फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीनों को भी स्टोर किया जा सकता है। इसके लिए उन्हें ड्राई आइस में रखना होगा और जल्दी इस्तेमाल करना होगा। वोल्टास अपने अल्ट्रा लो टेंपरेचर फ्रीजर को अगस्त में लॉन्च करेगी। इनमें फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीनों को स्टोर किया जा सकता है। गोदरेज अप्लायंसेज पहले ही इन वैक्सीनों के लिए इस तरह की स्टोरेज यूनिट्स विकसित कर चुकी है और ऑर्डर मिलने पर कंपनी प्रॉडक्शन शुरू कर देगी। वोल्टास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी अल्ट्रा-लो टेंपरेचर डीप फ्रीजर्स को आयात करने की प्रक्रिया में है जिसमें माइनस 86 डिग्री तापमान पर स्टोरेज किया जा सकता है। इनके प्रॉडक्शन के लिए कंपनी ने

एक विदेशी पार्टनर से साथ करार किया है। उन्होंने कहा कि जब अगस्त में फाइजर और मॉर्डना की वैक्सीन भारत आएगी तो हम उनकी जरूरतें पूरी करने को तैयार होंगे। कोवैक्सिन, कोविशील्ड और स्पूतनिक वी के लिए कंपनी स्टोरेज यूनिट्स का प्रॉडक्शन बढ़ा रही है।

फेडरल बैंक का एकल शुद्ध मुनाफा मार्च तिमाही में 59% बढ़कर 478 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी):

निजी क्षेत्र के बैंक, फेडरल बैंक ने सोमवार को बताया कि मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान उसका एकल शुद्ध मुनाफा लगभग 59 प्रतिशत वृद्धि के साथ 478 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने वित्तवर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 301 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हासिल किया था। बैंक का इससे पिछली दिसंबर 2020 तिमाही में 404 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हासिल किया था उसके मुकाबले भी यह मुनाफा पर्याप्त रूप से अधिक है। फेडरल बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा, हालांकि एकल आधार पर वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में आय 3,832 करोड़ रुपए पर कम रही, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में यह आय 4,108 करोड़ रुपए थी।

एकीकृत आधार पर, समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध मुनाफा 65 प्रतिशत बढ़कर 500 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, बैंक की आय 5.4 प्रतिशत घटकर 3,996 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 4,223 करोड़ रुपए थी। मूल्य के संदर्भ में, सकल एनपीए या फंसा ऋण बढ़कर 4,602 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 3,531 करोड़ रुपए था। हालांकि, शुद्ध एनपीए सुधरकर 1.19 प्रतिशत (1,569 करोड़ रुपए) रह गया जो पहले 1.31 प्रतिशत (1,607 करोड़ रुपए) था। वित्त वर्ष 2020-21 की यदि बात की जाए तो बैंक का एकल शुद्ध लाभ तीन प्रतिशत बढ़कर 1,590 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष के दौरान कुल आय भी इससे पिछले साल की 15,142 करोड़ रुपए से बढ़कर 15,703 करोड़ रुपए हो गई। बैंक ने कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2020- 21 के लिए शेयरधारकों को प्रति शेयर 0.70 रुपए प्रति शेयर (35 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है।

ओएनजीसी एक लाख आक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स खरीदेगी, विदेशों के साथ ही घरेलू विनिर्माताओं को भी दिये आर्डर

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने सोमवार को कहा कि वह दुनिया में कोरोना वायरस महामारी के सबसे गंभीर प्रकोप के खिलाफ जारी लड़ाई में मदद के लिए एक लाख ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स की खरीद करेगी। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि कंपनी भारत सरकार की ओर से एक लाख ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स खरीदने के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स की अपनी जानकारी और समझ का उपयोग करेगी। इन कंसन्ट्रेटर्स की खरीद का खर्च भारत सरकार वहन करेगी। बयान में कहा गया, ''अल्प अवधि में ही, ओएनजीसी ने तत्काल आपूर्ति के लिए विदेशी विक्रेताओं को 34,673 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स के आर्डर दिए हैं। इनमें से 2,900 मई 21 तक प्राप्त होने की उम्मीद है, और बाकी मई से जून 2021 के अंत तक पहुंचने की उम्मीद है।'' बयान के मुताबिक, ''घरेलू क्षमता को बढ़ाने के लिए, घरेलू विनिर्माताओं को 40,000 यूनिट ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स के लिए आर्डर दिया गया है।'' इसके अलावा, तीन राज्यों के 10 सरकारी अस्पतालों में ओएनजीसी के समर्थन से मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी स्थापित किए जा रहे हैं। यह उन 93 ऑक्सीजन संयंत्रों का हिस्सा है, जिन्हें तेल क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम देश भर में स्थापित कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, ''कोविड के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखते हुए, ओएनजीसी नियमित सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से टीकाकरण प्रयासों को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान का एक सक्रिय हिस्सा रहा है। ओएनजीसी कर्मचारियों और द्वितीयक कार्यबल के लिए देश भर में विभिन्न कार्य स्थलों पर टीकाकरण शिविर भी आयोजित कर रहा है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तोक्यो पैरालंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम का चयन 15-16 जून को

नई दिल्ली । तोक्यो मे अगस्त-सितंबर में होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम का चयन 15 और 16 जून को यहां होने वाले दो दिवसीय ट्रायल के दौरान किया जाएगा। ट्रायल्स का आयोजन सरकार के सुरक्षा दिशानिर्देशों और कोविड-19 की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत किया जाएगा।भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने बयान में कहा कि ट्रायल्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 72 घंटे पहले की कोविड-19 नेगेटिव रिपोर्ट साथ में लानी होगी। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) कार्डधारक खिलाड़ी और तोक्यो ओलंपिक खेलों का न्यूनतम क्वालीफिकेशन मानदंड हासिल करने वाले खिलाड़ी ही ट्रायल्स में भाग लेने के पात्र होंगे। तोक्यो पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से पांच सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे।

दुबई एशियाई बॉक्सिंग : अब तक 20 सदस्यीय भारतीय टीम को वीजा नहीं मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत का इस महीने दुबई में होने वाले एशिया मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेना मुश्किल नजर आ रहा है क्योंकि इस टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए अबतक 20 सदस्यीय भारतीय टीम को वीजा जारी नहीं किया गया है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के सचिव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। इस चैंपियनशिप को 21 मई से शुरू होना है। भारतीय टीम में 10 महिला मुक्केबाज भी शामिल हैं। बीएफआई के सचिव हेमंत कलिता ने आईएएनएस से कहा, भारतीय पुरुष और महिला बॉक्सिंग टीमों को दुबई जाने के लिए अबतक वीजा नहीं मिला है। हम अपनी टीमों को भेजने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट की मेजबानी नई दिल्ली को करनी थी लेकिन भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए एशिया मुक्केबाजी परिसंघ ने इस टूर्नामेंट को स्थानांतरित कर दिया था। कलिता ने कहा, हमने दुबई में अपने अधिकारियों को भेजने का प्लान बनाया था लेकिन फिलहाल स्थिति ठीक नहीं है इसलिए मुझे शक है कि कोई भारतीय अधिकारी वहां जाएगा। पुरुष टीम पटियाला के राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोटर्स में जबकि महिला टीम पुणे के आर्मी स्पोटर्स इंस्टीटूयट में ट्रेनिंग कर रही है। बीएफआई ने पुणे शिविर के लिए 10 एलीट महिला मुक्केबाजों का चयन किया था लेकिन इसमें सिर्फ पांच मुक्केबाज ही शामिल हो सकीं। चार महिला सहित कुल नौ भारतीय मुक्केबाज ओलंपिक के लिए क्वालीफाई हुए हैं।

बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

गोटेनबर्ग (एजेंसी)।

बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकेंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाये रखा और चेल्सी को 4-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार महिला चैंपियन्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का खिताब जीता। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-1 से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई।अलेक्सिया पुतेलास ने 14वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती को गोलमुख के करीब गेंद मिली जिसे उन्होंने जाली में डालने में गलती नहीं की। कारोलिन ग्राहम हेनसन ने 36वें मिनट लिएकी मर्टन्स के खूबसूरत पास पर चौथा गोल किया। बार्सिलोना ने क्वार्टर फाइनल में मैनचेस्टर सिटी और सेमीफाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को हराया था। पीएसजी ने इससे पहले लियोन को हराया था।

त्वेसा मलिक संयुक्त 23वें स्थान पर, ली आन ने जीता दक्षिण अफ्रीका ओपन का खिताब

केपटाउन । भारत की त्वेसा मलिक ने अंतिम दिन अंतिम चार होल में तीन बोगी की जिससे यहां इनवेस्टेक दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 23वें स्थान पर रही। त्वेसा ने अंतिम दिन 76 का स्कोर बनाया जिससे वह शीर्ष 20 में जगह बनाने में नाकाम रहीं। उन्होंने तेज हवाओं और बारिश के खलल के बीच टूर्नामेंट में 72, 79, 78 और 76 का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका की 40 साल की ली आन पेस ने अंतिम दौर में 72 के स्कोर से चौथी बार दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन का खिताब जीता। ली आन ने जर्मनी की लियोनी हार्म को एक शॉट से पछाड़ा। ली आन का कुल स्कोर दो ओवर 290 रहा। वह इस टूर्नामेंट का खिताब चार बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

बोर्ड से नाराज हुए श्रीलंकाई खिलाड़ी, छोड़ सकते हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

(एजेंसी)।

श्रीलंका क्रिकेटर नए ग्रेडिंग सिस्टम के कारण अपने बोर्ड से नाराज हो गए हैं और नाराजगी इस हद तक बढ़ गई है कि खिलाड़ियों ने बोर्ड को संन्यास तक लेने की धमकी दे दी है। जानकारी के मुताबिक इसी ग्रेडिंग सिस्टम के माध्यम से खिलाड़ियों का सालाना वेतन तय किया जाएगा। ये सब ऐसे समय में हुआ है जब भारत को जुलाई में श्रीलंका का दौरा करना है जहां टी20 और वनडे सीरीज खेली जानी है।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने नए ग्रेडिंग सिस्टम में खिलाड़ियों को चार ग्रुप्स में बांटा हैं जिसके तरह खिलाड़ियों को अंक दिए जाएंगे और फिर इसी के मुताबिक सालाना वेतन तय होगा। इसमें खिलाड़ियों की फिटनेस, अनुशासन सहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन भी अहम होगा।

नाराजगी का कारण

श्रीलंकाई क्रिकेटरों के इस ग्रेडिंग सिस्टम से नाराज का बड़ा कारण पारदर्शिता की कमी है। नए सिस्टम से उनके वेतन पर करारी चोट लगी है और सभी खिलाड़ियों को सालाना कम पैसे मिल रहे हैं। हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने नए सिस्टम को इसलिए लागू किया है क्योंकि कोरोना वायरस के चलते उसे काफी आर्थिक नुकसान हुआ है और इसलिए उसने टीम के खिलाड़ियों का वेतन काटा है। श्रीलंकाई क्रिकेटरों की मांग है कि बोर्ड उन्हें बताए कि किस आधार पर खिलाड़ियों को अंक दिए जाएंगे ताकि वह उसी हिसाब से अपनी तैयारी कर सकें। एक न्यूज रिपोर्ट में खिलाड़ियों के प्रतिनिधि ने कहा, उन्हें इस प्रक्रिया को जानने का पूरा हक है।

अनुबंध को दिया जा चुका है अंतिम रूप

श्रीलंका क्रिकेट प्रबंधन समिति के सदस्य एशले डी सिल्वा ने खुलासा किया कि उन्होंने अनुबंध को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें खिलाड़ियों ने समझौते में बदलाव लाने के लिए एक वकील की नियुक्ति की है। डी सिल्वा ने खुलासा किया कि किसी भी खिलाड़ी ने इस पर हस्ताक्षर करने का विकल्प नहीं चुना और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए बांग्लादेश की यात्रा एक समझौते पर गई है। रिपोर्टों के अनुसार एक शीर्ष क्रम की टेस्ट टीम को हराने पर 1,50,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस मिलेगा जबकि शीर्ष क्रम की एकदिवसीय और टेस्ट टीम को बाहर करने पर क्रमशः 75,000 अमेरिकी डॉलर और 50,000 अमेरिकी डॉलर की कमाई होगी।

संक्षिप्त समाचार

स्वीयाटेक ने 6-0, 6-0 से जीता इटेलियन ओपन खिताब

रोम । फ्रैंच ओपन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा को रविवार को फाइनल में एक भी गेम जीतने का मौका दिए बिना 6-0, 6-0 से जीत हासिल कर इटेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला खिताब जीत लिया। 15वीं सीड स्वीयाटेक ने पूर्व नंबर एक और नौवीं सीड प्लिसकोवा को मैच में अपने विध्वंसक प्रदर्शन से एक भी गेम जीतने का मौका नहीं दिया। इस जीत के बाद स्वीयाटेक अब विश्व रैंकिंग में छह स्थान की छलांग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। प्लिसकोवा एक स्थान खिसककर 10वें नंबर पर पहुंच गई हैं। पोलैंड की युवा खिलाड़ी ने अपने करियर का तीसरा और सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

शमी को इंग्लैंड दौरे में टीम इंडिया के जीतने की उम्मीद

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उम्मीद है कि अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे में टीम इंडिया सफल रहेगी। शमी के अनुसार जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले दिनों टीम ने किया है उससे उसके न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और मेजबान इंग्लैंड के साथ सीरीज में जीत की उम्मीद है। भारतीय टीम 2 जून को इंग्लैंड दौरे के लिये रवाना होगी जहां वह कुछ छह टेस्ट मैच खेलेगी। इनमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से शुरू होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है। इसके बाद भारतीय टीम चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'हमने टीम के रूप में हाल में शानदार क्रिकेट खेली है और निश्चित तौर पर इंग्लैंड दौरे से पहले हमारा मनोबल बढ़ा हुआ है।' शमी ने कहा, 'यदि हम पिछले 6 महीने की फार्म को दोहराने में सफल रहते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि यह दौरा हमारे लिए अच्छा रहेगा।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड टेस्ट में कलाई में चोट लगने के कारण लगातार 7 टेस्ट मैचों से बाहर रहे शमी युवा पीढ़ी को गेंदबाजी के गुर सिखाना चाहते हैं। शमी ने कहा, 'ऐसा अपने आप ही होता है। इतने वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होने के बाद मैं युवाओं को गुर सिखाना पसंद करूंगा क्योंकि में हमेशा खेल नहीं सकता।'

भारतीय महिला टीम अभ्यास सत्रों का महत्व समझने लग गई है : मिडफील्डर मोनिका

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर मोनिका ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अब अपने अभ्यास सत्रों के उद्देश्य को समझने लग गयी है जबकि पहले वह केवल कोच के निर्देशों का अनुसरण करती थी। रियो ओलंपिक 2016 में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही मोनिका ने कहा कि शनिवार को सुबह का सत्र सबसे कड़ा होता है। मोनिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'यह बेहद कड़ा सत्र होता है जिसमें मैच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कड़ा अभ्यास किया जाता है।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक सत्र में तेजी या दमखम पर ध्यान दिया जाता है। हमारे सप्ताह में ऐसे दो या तीन सत्र होते हैं। इन दिनों में वास्तव में हमारे फिटनेस स्तर की परीक्षा होती है।' मोनिका ने कहा कि टीम अब प्रत्येक सत्र के महत्व को समझती है। उन्होंने कहा, 'हमारी प्रत्येक सत्र और उससे मिलने वाली मदद को लेकर जागरूकता पहले से बेहतर है। पहले हम आंख मूंदकर वही करते थे जो कोच कहता था।' चंडीगढ़ की रहने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि कोचिंग स्टाफ प्रत्येक सप्ताह के अभ्यास के लिये इस तरह से योजना तैयार करता है ताकि टीम सही समय पर अपने चरम पर रहे। मोनिका ने कहा, 'हमारा ध्यान अब अपने मजबूत पक्षों में सुधार करने और कमजोर पक्षों पर काम करने पर है। हमारा लक्ष्य सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना है।

प्रत्येक खिलाड़ी के कार्यभार पर गौर किया जाता है और उसी हिसाब से सुधार का आकलन किया जाता है।'

एलिसन बेकर जैसा हेडर जमाना सीख रहे हैं गुरप्रीत सिंह

नई दिल्ली । भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ब्राजील के दिग्गज एलिसन बेकर जैसा हेडर लगाना सीखना चाहते हैं लेकिन जब तक वह इसमें पारंगत होते हैं तब तक वह इसकी जिम्मेदारी अपने कप्तान सुनील छेत्री पर छोड़ना चाहते हैं। लिवरपूल के ब्राजीली गोलकीपर एलिसन के दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में लगाए गए खूबसूरत हेडर से उनकी टीम ने वेस्ट ब्रोमविच को 2-1 से हराया। गोलकीपरों को मैच के अंतिम क्षणों में इस तरह से गोल करते हुए बहुत कम देखा जाता है। इस मामले में पराग्वे के गोलकीपर जोस लुईस चिलावर्ट का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने करियर में आठ अंतरराष्ट्रीय गोल किए। गुरप्रीत ने कहा कि मैं उनका (बेकर) हेडर बार बार देख रहा हूं। गेंद सही जगह पर पहुंची और उन्होंने बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में भेजा। क्या शानदार हेडर था। लेकिन यदि वह नियमित तौर पर इसका अभ्यास कर रहा है तो हमें स्वीकार करना होगा कि यह विशेष है। गुरप्रीत भी कई अवसरों पर अपनी टीम के आक्रमण में मदद करने के लिए आगे बढ़ जाते हैं और भले ही वह बेताब नहीं है लेकिन मौका मिलने पर इसका पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा करने के लिए बेताब नहीं हूं। मैं अपने क्लब बेंगलुरू एफसी से कुछ अवसरों पर आक्रमण के लिए आगे बढ़ा था। उससे पहले वाले क्लब के लिए भी मैंने ऐसा किया था। गुरप्रीत ने कहा- लेकिन यदि टीम को परिस्थिति के अनुसार ऐसी आवश्यकता हो तो फिर कौन जानता है। लेकिन मैं इसे सुनील छेत्री के लिए छोड़ना पसंद करूंगा। वह इस मामले में मुझसे कहीं बेहतर है। मुझे हेडर पर काम करना होगा।

एलिसन ने जैसा किया, जरूरत पड़ने पर वैसा करने में दिक्कत नहीं होगी : गुरप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो लिवरपूल क्लब के गोलकीपर एलिसन बेकर ने जो कारनामा किया है उन्हें इसे करने में दिक्कत नहीं होगी। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन ने वेस्ट ब्रोम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऐतिहासिक गोल किया। एलिसन किसी भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच में गोल करने वाले लिवरपूल के 129 साल के इतिहास में पहले गोलकीपर बन गए हैं। गुरप्रीत ने कहा, मैं उनका हेडर लगातार देख रहा हूं। अगर वह इसे अभ्यास में लगातार कर रहे हैं तो हमें यह मानना पड़ेगा कि वह विशेष हैं। उन्होने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इसे करने के लिए बैचेन हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा नहीं करूंगा। लेकिन स्थिति के अनुसार टीम को जरूरत पड़ती है तो भी मैं इसे सुनील छेत्री पर छोड़ दूंगा क्योंकि इसमें वह मुझसे बेहतर हैं। हालांकि ऐसा करने में मुझे दिक्कत नहीं होगी। गुरप्रीत ने कहा, मॉर्डन डे के गोलकीपर के लिए उसके पैरों को पैरामाउंट करना जरूरी है। वह दिन गए जब गोलकीपर सिर्फ शॉट स्टोपर होते थे। निजी पर यह चुनौती के लिए मैं उत्सुक रहता हूं। जब मैंने खेलना शुरू किया था तो शॉट्स को बचाने का ट्रेंड था। लेकिन अब यह बदल गया है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की घर वापसी पर CA चीफ ने जताया बीसीसीआई का आभार

(एजेंसी)।

पैट कमिंस और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले कुल आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद सिडनी पहुंचे। आस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद सिडनी पहुंचे। इस पर क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया ने बीसीसीआई का आभार व्यक्त किया है। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने यात्रा प्रतिबंध लगा रखा है जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग 2 सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाए। आईपीएल को विभिन्न टीमों में कोविड-19 के मामले पाए जाने के बाद 4 मई को स्थगित कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने कोविड की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण उसके क्रिकेटर सीधे स्वदेश नहीं लौट पाए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ निक हॉकले ने कहा, हम बहुत खुश हैं। हम उन्हें जल्दी और सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए वास्तव में बीसीसीआई के आभारी हैं। जब से वे आए हैं, मैंने उनसे बात नहीं की है, लेकिन जाहिर है कि हम टेक्स्ट एक्सचेंज में रहे हैं और मुझे यकीन है कि वे बहुत राहत महसूस करेंगे और घर पहुंचने पर बहुत सराहना करेंगे। इससे पहले सोमवार को सीए ने वेस्टइंडीज में सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपनी टीम की घोषणा की। जुलाई में सेंट लूसिया में 5 टी20 और बारबाडोस में 3 वनडे खेलने वाली टीम की अगुवाई आरोन फिंच करेंगे। क्वारंटाइन अवधि पूरी करने के बाद वेस्टइंडीज दौरे का हिस्सा रहे आईपीएल खिलाड़ी अपने कैरेबियाई दौरे के लिए बाकी टीम में शामिल होंगे।

मेलबर्न में ही ऑस्ट्रेलियन ओपन कराने की तैयारी जारी

सिडनी। टेनिस ऑस्ट्रेलिया अगले साल जनवरी में मेलबर्न में ही ऑस्ट्रेलियन ओपन कराने पर विचार कर रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि टूर्नामेंट को कराने में संकट आ सकते हैं क्योंकि सरकार ने उम्मीद जताई है कि 2022 के मध्य तक अंतरराष्ट्रीय सीमा बंद रह सकती है। इन रिपोर्ट के बाद टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने इस संबंध में सोमवार को बयान जारी किया। बयान में कहा, टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने महामारी के बीच सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलियन ओपन 2021 का आयोजन किया था। हम ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 को जनवरी में कराने पर विचार कर रहे हैं और मेलबर्न में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के मैच कराने के लिए उत्सुक हैं। हम सरकार के साथ खिलाड़ियों और प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर चर्चा कर रहे है। टूर्नामेंट के निदेशक क्रैग टिले ने कहा, हम मेलबर्न जाएंगे और शायद यह जनवरी में होगा। उन्होंने कहा कि वह विक्टोरिया और संघीय सरकार के साथ इस बारे में काम करेंगे कि किस तरह खिलाड़ियों को यहां लाया जाए और उनका क्वारंटीन पीरियड पूरा किया जाए।

चमक रहे बरकरार

रॉयल लुक देने वाली पर्ल जूलरी को करीने से संभालकर रखना बेहद जरूरी है, तभी इसकी सुंदरता और चमक लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। पर्ल ऑर्गनिक मैटीरियल से तैयार किया जाते हैं। इसमें गोल्ड व सिल्वर का इस्तेमाल भी खूब होता है। लंबे समय तक इनकी शाइनिंग बरकरार रखने के लिए इन्हें डस्ट, स्क्रेच व दूसरे डैमेज से बचाना जरूरी होता है। यदि आप पर्ल जूलरी पहनी हो, तो डिटर्जेंट का इस्तेमाल अवॉइड करें। बेकिंग सोडा और ब्लीच का यूज भी ना करें। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स पर्ल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहे। सफाई के लिए मुलायम कपड़े का ही इस्तेमाल करें। यह पर्ल को नुकसान पहुंचाए बिना ही डस्ट हटा देगा। जब भी परफ्यूम और हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें, तो ध्यान रखें कि इसे जूलरी पर न छिड़कें। इससे इसका कलर जाने की संभावना बनी रहती है। मेकअप पूरा होने के बाद ही जूलरी पहनें वरना मेकअप का कलर जूलरी में लग सकता है। पर्ल जूलरी को मेटलिक जूलरी के साथ ना रखें, बल्कि इसे एक मुलायम कपड़े में लपेट कर रखें। नहाते समय जूलरी निकाल दें, क्योंकि पानी का क्लोरीन पर्ल के लिए बेहद नुकसानदेह होता है।

रूप मेरा सलोना

खूबसूरत त्वचा हर किसी को अपनी ओर अट्रैक्ट करती है, लेकिन सभी की त्वचा खूबसूरत नहीं होती। किसी की खुरदरी तो किसी की बहुत ज्यादा तैलीय होती है। अपनी त्वचा को कुछ खास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन का पूरा-पूरा ख्याल रखें। वैसे भी आजकल वातारण में प्रदूषण बहुत अधिक है। जो स्किन प्रॉब्लम्स के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में चाहें तो कुछ फेशियल ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी त्वचा के लिए लाभकारी हो सकते हैं। आजकल मार्केट में बहुत से फेशियल्स हैं, लेकिन सबसे खास है हर्बल फेशियल। यह स्किन पर एक अलग तरह का ग्लो ला देते हैं, जिससे चेहरा खिल-खिल जाता है।

क्लीजिंग

हर्बल फेशियल में खीरा, गुलाब, नींबू और चंदन आदि मिला होता है। घरेलू हर्बल फेशियल आप घर पर भी कर सकती हैं। यदि आप घर में ही फेशियल कर रही हैं तो क्लीजिंग के लिए एक टेबल स्पून चावल के आटे में दो टेबल स्पून दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर अच्छी तरह मलें, फिर चेहरा ताजे पानी से धो लें।

जरूरी है मालिश

क्लीजिंग के बाद फेस की मसाज करें। मालिश के लिए मलाई में कुछह बूंदे बादाम का तेल मिलाकर प्रयोग करें। मालिश गर्दन से शुरू करके ठुड्डी, मुंह, नाक, गाल और माथे पर करें। मालिश हमेशा हल्के हाथ से नीचे से ऊपर की ओर तथा गोल-गोल घुमाते हुए करें। इस क्रिया से रक्त संचार बढ़ेगा तथा आप अपने को तनावमुक्त महसूस करेंगी। अंत में अंगुलियों के पोरों से पूरे चेहरे को थपथपाएं।

स्टीम

मसाज के बाद स्टीम लें। बाउल में पानी उबालकर थोड़े नीम के पत्ते भी डाल दें। फिर स्टीम लें। नीम की भाप आपकी स्किन को काफी फायदा पहुंचाएगी। इसके बाद ब्लैकहेड रिमूवर की सहायता से ब्लैकहेड्स निकालें। अब तौलिए से चेहरा पोंछकर फेसपैक लगाएं।

होममेड फेसपैक

हमेशा ध्यान दें कि आपकी स्किन का टाइप क्या है, उसको देखकर ही फेस पैक लगाएं—

ड्राय स्किन के लिए: दो टेबलस्पून मसूर दाल को बारीक पीसकर उसके आटे में थोड़ा सा जैतून का तेल व ग्लिसरीन मिलाकर पेस्ट बना लें और लगाएं। इससे रूखी त्वचा में निखार आ जाता है।

नॉर्मल स्किन के लिए: एक चम्मच ऑरेंज पील पाउडर एवं गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से लगाएं। लगाने के बाद इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

चाहे कोई भी मौसम हो, त्वचा और बालों की बारह महीने, तीसों दिन देखभाल करनी पड़ती है। नहीं तो चांद सा सुंदर चेहरा आंखों का रंग सुनहरा धूमिल पड़ने लगता है। यदि इसे बरकरार रखना है तो हमेशा इसका ध्यान रखना पड़ेगा। और समय समय पर प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रखने के लिए प्रकृति के रंगों को चुनना होगा।

कूल शर्ट्स

फैशन के रंग मौसम की रंगत के साथ बदलने लगते हैं और गर्मी का मौसम इसके लिहाज से सबसे मुफीद होता है। इन गर्मियों में नॉटिका के स्प्रिंग कलेक्शन से आप अपने वार्डरोब को कूल और ट्रेंडी बना सकते हैं। वॉटर, पीपल और आर्किटेक्चर के स्पिरिट से इंस्पायर्ड ये शर्ट्स हर अकेजन के लिए फिट हैं। सिग्नेचर नेवी, सेल वाइट, नून ब्लू और यलो जैसे शेड्स वाली ये शर्ट्स आपको क्लीन लुक दे सकती हैं।

तोहफों का अपना महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जूतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑपशन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फूटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं,और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को स्केटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

कमिटमेंट मेरे प्यार का

किसी से प्यार करती हैं, तो शादी का इरादा भी रखती होंगी। अगर अपने प्रियतम के साथ आप सात जन्मों का कमिटमेंट चाहती हैं, तो इन बातों को फॉलो कर अपने रिश्तों में गहराई ला सकती हैं।

कोई आपको पहले से हो या आप किसी को प्रपोज करने की सोच रहीं हो। क्या आप उसे लेकर इतनी सीरियस हैं कि शादी के बारे में सोचें? हो सकता है कि आपको सवाल थोड़ा अजीब लगे, लेकिन एक बार इस पर भी विचार करके जरूर देखें। गौरतलब है कि आपके प्यार का रिश्ता एक तरह से आपकी सोसाइटी का आधार है। इसकी थीम है 'लव वन-अनदर' यानी एक-दूसरे की कमियों को एक्सेप्ट करके अपने पार्टनर को प्यार करना। बेशक 'हैपिली मैरिड' का कॉन्सेप्ट इसी थीम पर टिका है, जहां आप दूसरे को इस हद तक स्वीकार करें कि उसकी कमियों के साथ चलने में आपको कोई प्रॉब्लम न हो।

कसौटी रिश्तों की

तमाम बदलावों के साथ रिश्तों की कसौटियां भी चेंज हुई हैं। जाहिर है कि मैरिज को भी हम इससे बचाकर नहीं चल सकते। तनाव, कमिटमेंट से घबराहट, कैरियर में आगे बढ़ने की चाह जैसे तमाम कारण हैं, जो लोगों को शादी में सेटल होने नहीं दे रहे हैं। यदि ऐसे में आप एक दूसरे की भावनाओं को समझ-बूझकर हर कदम को चलें। मनोवैज्ञानिक इसे आने वाले समय की बड़ी जरूरत बताते हैं और इसे प्रमोट करने की फेवर में हैं। आजकल की जेनरेशन अपने कैरियर और फाइनैंशियल प्लानिंग में इतनी बिजी है कि शादी के पॉजिटिव इंपैक्ट उसे नजर ही नहीं आते। हालांकि वैलंटाइंस डे और डेटिंग के लिए तमाम ऑप्शंस होने के बावजूद वे अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में वर्तमान में वर्ल्ड मैरिज डे जैसे मौके उन्हें रिश्तों को नए सिरे से समझा सकते हैं। वैसे, इस तरह ग्लोबलाइजेशन के दौर में हमारी इंडियन 'फैमिली वैल्यूज' और 'हैपी मैरिड कपल्स' की परंपरा को भी वर्ल्ड फोरम में नई पहचान मिल सकेगी।

पश्चिम का दिख रहा असर

भले ही रिलेशंस को लेकर खुले नजरिए और डिवोर्स केसेज के बढ़ते रेट्स को विदेश की देन माना जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वहां सब कुछ खराब ही है। बल्कि वहां से भी कुछ बातों को सीखी ही जा सकती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. निशा खन्ना कहती हैं, 'इस मुद्दे को कल्चरल इम्पैक्ट के तौर पर ना देखा जाए। दरअसल, सभी अपनी जरूरत के हिसाब से ही किसी चीज को अपनाते हैं। जब वहां शादियों में प्रॉब्लम्स आनी शुरू हुईं और पार्टनर्स के बीच डिफरेंसेज बढ़ने लगे, तो भारत ने भी एक दिन जो फरवरी के दूसरे हफ्ते के रविवार को आता है को चुन लिया। हालांकि वहां किसी रिलेशनशिप एक्सपर्ट के पास जाना भी कोई टैबू नहीं है, लेकिन यहां किसी को ऐसी सलाह देने का मतलब है बुराई मोल लेना। बेशक अगर हम प्यार करने का तरीका वेस्ट से ले सकते हैं, तो रिलेशंस को ठीक रखने के लिए एक बार उनके तरीके पर नजर तो डाल ही सकते हैं। हालांकि यह किसी पहल की तैयारी नहीं है, बल्कि मुद्दा है एक प्यार भरे रिश्ते की मिठास व गर्माहट को बरकरार रखना। फिर देश या कल्चर कोई भी हो, यह बात सभी जगह कॉमन है कि बिना इमोशनल सैटिस्फैक्शन के जिंदगी कभी पूरी नहीं होती।

रिश्ते फीलिंग से नहीं चलते

यह बात पूरी तरह सही है कि वैलेंटाइंस डे जैसे दिन हमें अपने इमोशंस को पहचानना व एक्सप्रेस करना सिखाते हैं। लेकिन रिश्ते में सिर्फ फीलिंग्स होना ही काफी नहीं है, बल्कि इसे निभाने के लिए आपके पास कमिटमेंट के साथ सही अप्रोच भी होनी चाहिए। इसी तरह ही हम रिलेशंस की मिठास व अहमियत को जान पाते हैं और ऐसे में समय-समय पर एक दूसरे के साथ कुछ पल बीताना तथा अपनी यादों को उत्सव के तौर पर जीना भी सही है। कॉल सेंटर एंप्लॉई रीना बतरा शादी को एक्सेप्टेंस फैक्टर से जोड़ती हैं। उनके मुताबिक, विवाह और हमारे रिश्ते इस बात का अहसास करवाने के लिए हैं कि आपको शादी प्यार के आगे की एक कड़ी है। उनका कहती हैं, 'मैं अपने पैरंट्स की लाइफ देखकर यही सोचती हूं कि क्या मुझे इतने एक्सेप्टिंग नेचर की लाइफ पार्टनर मिलेगा। ऐसे में मैं मानती हूं कि रिलेशन में कमिटमेंट होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजराइल का गाजा पर सबसे भीषण हमला, 10 बच्चों सहित 42 लोगों की मौत व कई इमारतें ध्वस्त

गाजा सिटी (एजेंसी):

इजराइल द्वारा रविवार को गाजा सिटी पर किए गए हवाई हमलों में कई इमारत नष्ट हो गईं और कम से कम 42 लोग मारे गए। इजराइल और हमास के बीच एक सप्ताह पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद यह सबसे भीषण हमला था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में मारे गए लोगों में 16 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य अब भी जारी है। इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी शहर खान यूनिस में अलग हवाई हमले में गाजा के शीर्ष हमास नेता याहिया सिनवार के आवास को जमींदोज कर दिया। हमास के वरिष्ठ नेताओं के घरों पर पिछले दो दिनों में यह तीसरा हमला है। वहीं, हमले के मद्देनजर हमास के कई नेता भूमिगत हो गए हैं। इजराइल ने हमास को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए हालिया दिनों में हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वार्ताकार भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमास के नेताओं को निशाना बनाए जाने से इन प्रयासों में मुश्किलें आ सकती हैं।पूर्वी यरुशलम में इस महीने की शुरुआत में तनाव तब शुरू हुआ जब फलस्तीनियों ने शेख जर्रा में उन्हें निकाले जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया और इजराइली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में कार्रवाई की। यह लड़ाई पिछले सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागे। संघर्ष अन्य जगहों पर भी फैल गया है। वेस्ट बैंक और इजराइल में भी कई जगहों पर यहूदी और अरब नागरिकों के बीच झड़पें हुई हैं। इस संघर्ष में गाजा में 55 बच्चे और 33 महिलाओं समेत 188 फलस्तीनी मारे गए हैं और 1,230 लोग जख्मी हुए हैं। वहीं, इजराइल में आठ लोगों की मौत हुई है जिनमें पांच साल का एक बच्चा भी शामिल है।

इजराइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने हमास के सबसे वरिष्ठ नेता याहिया सिनवार के घर को निशाना बनाया जो समूह के बाकी शीर्ष नेताओं के साथ संभवतः वहां छिपा था। इजराइल ने शनिवार को हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख नेता खलील अल-हायेह के घर पर बम गिराए थे। हमास और इस्लामी जेहाद उग्रवादी समूह ने स्वीकार किया है कि सोमवार को संघर्ष शुरू होने के बाद से उसके 20 लड़ाके मारे गए हैं।

आडिट साझा न करने वाली चीनी कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)।

बीजिंग के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने चीन की लगाम और कसने का फैसला किया है । अमेरिका के संयुक्त राज्य लेखा निरीक्षण बोर्ड ने एक मसौदा नियम का प्रस्ताव दिया है जिसके तहत अमेरिकी लेखा मानकों का पालन न करने वाली विदेशी कंपनियों को अमेरिकी स्टाक एक्सचेंज से हटा दिया जाएगा। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन प्रशासन द्वारा ट्रंप के एक कानून को तेजी से लागू करने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत यदि चीनी कंपनियों ने अमेरिका के साथ समीक्षा के लिए आडिट साझा नहीं किया तो उन्हें तीन साल में अमेरिकी स्टाक एक्सचेंज से हटा दिया जाएगा। सार्वजनिक कंपनी लेखा निरीक्षण बोर्ड (पीसीएओबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि नियम में बदलाव से यह

सुनिश्चित होगा कि क्या स्थानीय अधिकारियों ने विदेशी लेखा फर्मों के निरीक्षण को बाधित किया है, जो अमेरिकी कंपनियों का आडिट करते हैं। **PCAOB** के चेयरमैन विलियम दुहनके-3 ने कहा कि ये नियम उन स्थितियों के बारे में है जहां विदेशी अधिकारियों ने **PCAOB** को अपनी अनिवार्य निगरानी गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक पहुंच से वंचित कर दिया है। इस बीच, चीन के कानूनविदों ने कहा है कि इस कानून का निशाना स्पष्ट रूप से चीनी कंपनियां हैं। इसके तहत चीनी कंपनियों को निदेशकों और कार्यकारी अधिकारियों के बारे में बताना होगा, जो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य हैं। यह बहुत असामान्य है।

Covid 19- सऊदी ने शर्तों के साथ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरु कीं, बार्डर भी खोले

दुबई (एजेंसी):

कोरोना महामारी के बीच सऊदी अरब ने पिछले साल मार्च से बंद अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों से रोक हटाने का फैसला किया है। लेकिन अभी भारत सहित लेबनान, यमन, ईरान और तुर्की के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जाने-आने वाली उड़ानों पर रोक बरकरार रहेगी। सऊदी अरब के गृह मंत्री ने कहा कि देश अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैयार हैं। हमने जमीन और समुद्र के बार्डर भी खोल दिए हैं लेकिन राहत देने के साथ कुछ शर्ते भी लगाई गई हैं।बता दें कि यहां करीब 14 माह से नागरिकों को पूरी तरह से बाहर जाने पर रोक थी। इससे विदेश में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों का ज्यादा नुकसान हो रहा था। सऊदी अरब की आबादी 3 करोड़ है जिनमें से एक करोड़ 15 लाख से ज्यादा लोगों को कम से कम वैक्सीन का एक डोज लग चुका है। नई गाइडलाइन के अनुसार यात्रा के लिए दो सप्ताह पहले जानकारी देने होगी। अनुमति एक वैक्सीन डोज लेने वाले, पिछले छह माह में कोरोना मरीज रहे लोगों को दी जाएगी। आने वाली उड़ानों में अभी अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस सहित 20 देशों के नागरिकों पर रोक जारी रहेगी। सऊदी अरब 20 मई से आने वाले यात्रियों पर संस्थागत क्वारंटीन को लागू करेगा। यात्रियों की कुछ श्रेणियों को क्वारंटीन से बाहर रखा जाएगा, जिनमें सऊदी नागरिक, उनके जीवनसाथी और बच्चे शामिल हैं। कोरोना वैक्सीन प्राप्त करने वाले यात्रियों के साथ-साथ आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ-साथ राजनयिकों और उनके साथ रहने वाले उनके परिवारों को भी क्वारंटीन से बाहर रखा जाएगा। लेकिन टीका लगाए गए व्यक्तियों को छोड़कर, दूसरी श्रेणियों को घरेलू क्वारंटीन नियमों से गुजरना होगा।

चीनी कंपनियों पर लगाम लगाने की तैयारी में जुटा बाइडेन प्रशासन

वाशिंगटन । बीजिंग के साथ बढ़ते तनाव के बीच बाइडेन प्रशासन ने चीन पर लगाम कसना शुरु कर दिया है। अमेरिका के संयुक्त राज्य लेखा निरीक्षण बोर्ड ने एक मसौदा नियम का प्रस्ताव दिया है, इसके तहत अमेरिकी लेखा मानकों का पालन न करने वाली विदेशी कंपनियों को अमेरिकी स्टाक एक्सचेंज से हटा दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन प्रशासन द्वारा ट्रंप के एक कानून को तेजी से लागू करने किया जा रहा है। इसके तहत यदि चीनी कंपनियों ने अमेरिका के साथ समीक्षा के लिए आडिट साझा नहीं किया,तब उन्हें तीन साल में अमेरिकी स्टाक एक्सचेंज से हटा दिया जाएगा। सार्वजनिक कंपनी लेखा निरीक्षण बोर्ड (पीसीएओबी) ने कहा कि नियम में बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि क्या स्थानीय अधिकारियों ने विदेशी लेखा फर्मों के निरीक्षण को बाधित किया है, जो अमेरिकी कंपनियों का आडिट करते हैं। पीसीएओबी के चेयरमैन विलियम दुहनके-3 ने कहा कि ये नियम उन स्थितियों के बारे में है जहां विदेशी अधिकारियों ने पीसीएओबी को अपनी अनिवार्य निगरानी गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक पहुंच से वंचित कर दिया है। इस बीच, चीनी कानूनविदों ने कहा है कि कानून का निशाना स्पष्ट रूप से चीनी कंपनियां हैं।

फिलिस्तीन के साथ जारी तनाव को देखते हुए इजरायली सैनिका होविटजर तोपों से गोले बरसाते हुए।

अशरफ गनी बोले-अफगानिस्तान के हालात के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार, भड़क गए इमरान

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश के बद से बद्तर हो रहे हालात के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान ही अपने देश में तालिबान को सभी जरूरतें उपलब्ध कराता है, उसके लिए फंडिंग करता है। यहां तक कि तालिबान के सदस्यों की भर्ती भी पाकिस्तान में ही होती है। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी अशरफ गनी के बयान में कहा गया है कि अब पाक को ही तालिबान के साथ शांति वार्ता पूरी कराने के लिए आगे आना चाहिए। अफगानिस्तान में शांति के लिए अमेरिका की अब बहुत सीमित भूमिका है। मुख्य भूमिका क्षेत्रीय स्तर के देशों की है, उनमें पाकिस्तान विशेष रूप से है। तालिबान पर केवल पाकिस्तान का ही पूरा प्रभाव है। उसी ने ही तालिबान के लिए संगठित प्रणाली विकसित की हुई है। तालिबान के निर्णय करने वाली सभी क्षेत्रीय संस्थाएं पाक में ही बनी हुई हैं, जिन्हें सरकार का समर्थन रहता है। सभी निर्णय क्वेटा शूरा, मिरमशाह शूरा और पेशावर शूरा के द्वारा लिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को ही तालिबान पर शांति स्थापित करने के लिए दबाव बनाना चाहिए। इससे पहले भी अफगान के राष्ट्रपति ने कहा था कि पाकिस्तान को देखना है कि वह मित्रता का भाव रखता है या शत्रुता का। दोनों देशों के पास अब आपसी सम्मान, अच्छे पड़ोसी और

आर्थिक सहयोग के साथ रहने का ही विकल्प है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के इस बयान पर पाक के प्रधानमंत्री इमरान खान कड़ी आपत्ति जताई है । पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जाहिद हाफिज चौधरी ने कहा कि अफगान राष ट्रपति द्वारा दिया गया बयान पूरी तरह से आधारहीन है। उन्होंने ये अफगानिस्तान से ये भी अपील की है कि वो किसी भी समस्या को अफगानिस्तान-पाकिस्तान एक्शन प्लान फोर पीस एंड सोलिडेरिटी के सामने भी रख सकते हैं। चौधरी का कहना है कि इस तरह के बयानों से दोनों देशों के बीच विश्वास कम होगा। उनके मुताबिक पाकिस्तान ने हमेशा ही अफगानिस्तान की बेहतरी के लिए काम किया है और आगे भी इसको जारी रखेंगे।

कोविड-19: श्रीलंका में तीन दिन का लॉकडाउन खत्म

कोलंबो (एजेंसी):

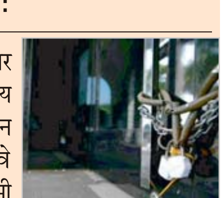

श्रीलंका में कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए लागू तीन दिवसीय लॉकडाउन सोमवार को खत्म हो गया लेकिन अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि वे फिलहाल अपने घरों में ही रहें। देश में अब भी रोजाना 2,000 से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। देश में कर्फ्यू के बिना ही तीन दिन का लॉकडाउन लगाया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को लंबे सप्ताहांत में घरों में रखना था क्योंकि यहां सप्ताह की छुट्टियों के साथ ही ईद का उत्सव भी पड़ रहा था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद भी लोग सिर्फ अनिवार्य कामों की वजह से ही बाहर निकल सकेंगे। उन्होंने कहा, '' लोग अपने पहचान पत्र के आखिरी अंक के अनुसार ही अनिवार्य काम के लिए घर से बाहर निकल सकेंगे। सम संख्या वाला कार्ड रखने वाले लोग सम संख्या वाले दिन और विषम संख्या वाला नंबर रखने वाले लोग विषम संख्या वाले दिन में घर से बाहर निकल सकेंगे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सरकारी और निजी कार्यालयों से कहा गया है कि वे स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए न्यूनतम कर्मचारियों के साथ ही काम करें। देश में रोजाना संक्रमण के 2,000 से ज़्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। कोविड-19 रोकथाम अभियान का नेतृत्व कर रहे सेना प्रमुख शावेंद्र सिल्वा ने कहा कि अस्पतालों में 21,000 से ज्यादा मरीजों का इलाज चल रहा है।

चीनी राजनीतिक बंदी की सलाह- चीन से लड़ने के लिए व्यापारिक हितों की संधि करे क्वाड

वाशिंगटन (एजेंसी):

दुनिया की नाक में दम करने वाले चीन के खिलाफ उसके भीतर ही विद्रोह की आवाज उठने लगी है। चीन में राजनीतिक बंदी के रूप में रहे जैनली यांग का मानना है कि चीन से लड़ने के लिए क्वाड देशों के समूह यानि ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका को व्यापारिक हितों की भी संधि करनी होगी तभी इस गठजोड़ की उपयोगिता सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यदि चीन किसी भी देश के आर्थिक हितों को चोट पहुंचाता है तो अन्य देश उसको सुरक्षा देने का काम करें। उन्होंने कहा कि क्वाड को को आर्थिक गठजोड़ बनाकर एक दूसरे के हितों की सुरक्षा भी करनी पड़ेगी और यही चीन का सही जवाब होगा। जैनली यांग और यूरोप की धार्मिक स्वतंत्रता फोरम के अध्यक्ष आरोन रोड्स ने द हिल में लिखे एक लेख में कहा है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लिए क्वाड ही सही जवाब होगा। दशकों से चीन दबाव में अपने सहयोगी बनाता रहा है और फिर जो व्यापारिक सहयोगी उसके हिसाब से नहीं चलते हैं उन पर प्रतिबंध लगा देता है। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया के साथ भी उसने यही किया। आस्ट्रेलिया ने जब हुआवे पर प्रतिबंध लगाया और कोरोना की विश्वस्तरीय जांच की मांग की तो चीन ने आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए जिससे आस्ट्रेलिया को आर्थिक नुकसान हुए। लेखकों का कहना है कि चीन के शासक यह सुनिश्चित करने पर आमादा हैं कि मध्य एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और कोरियाई प्रायद्वीप के देशों को शामिल करने के लिए क्वाड का विस्तार नहीं किया जाए। असल में क वाड समूह के देशों से चीन की घबराहट भी किसी से छिपी नहीं है। क्वाड को लेकर चीन की बेचैनी दिनों दिन बढ़ती जा रही है। हाल ही में चीन ने बांग्लादेश को क वाड में शामिल नहीं होने की चेतावनी दी थी। चीन ने बांग्लादेश को धमकी दी थी कि वह यदि चीन विरोधी गठबंधन में शामिल होता है तो इससे बीजिंग के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान होगा।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी से दहशत में चीन !

बीजिंग (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बीच लगातार तालिबान के हमले बढ़ रहे हैं। पिछले 3 हफ्तों में तालिबान के अफगानिस्तान में कई घातक हमलों में कई लोग मारे जा चुके हैं जिससे एशियाई देशों की टेंशन बढ़ गई है। अमेरिकी सैनिकों की अफगान से वापसी से चीन ने भी टेंशन बढ़ा दी है। चीन को डर है कि अमेरिकी सैनिकों की पूर्ण वापसी के बाद अफगानिस्तान में फिर से आतंकवाद भड़क सकता है जिसका असर उसकी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) परियोजना पर पड़ सकता है। इसलिए चीन ने मध्य एशियाई देशों से सुरक्षा को लेकर सहयोग बढ़ाने का अनुरोध किया है। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार जैसे-जैसे सैनिकों की पूर्ण वापसी की तारीख 11 सितंबर नजदीक आ रही है चीन की चिंता बढ़ती जा रही है। उसे लग रहा है कि अफगानिस्तान में अस्थिरता का असर उसके शिनजियांग प्रांत में भी पड़ सकता है और कट्टरपंथी ताकतें सिर उठा सकती हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मध्य एशिया के विदेश मंत्रियों से कहा है कि उन्हें आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए मिलकर काम करना चाहिए ताकि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर कोई खतरा न आए। इससे पहले पाकिस्तान ने कहा था कि वह अपने देश की जमीन पर अमेरिका या किसी भी अन्य विदेशी सेना का अड्डा नहीं बनने देगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद

कुरैशी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अफगानिस्तान में आतंकी सगठनों के कब्जे की आशंका में पड़ोसी देशों में सैन्य अड्डा बनाने की संभावना तलाश कर रहे हैं। अमेरिका का मकसद अफगानिस्तान पर निगाह रखना है।

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार में तख्तापलट का विरोध करने वाले कस्बे में 'मार्शल लॉ' घोषित

इंटरनेशनल डेस्क: म्यांमार में अमेरिका और ब्रिटेन के दूतावासों ने पश्चिमी चिन राज्य में एक कस्बे पर सरकार की तरफ से किये गए भीषण हमलों की खबरों पर चिंता जाहिर की है जहां सत्तारूढ़ जुंटा ने सैन्य शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के कारण 'मार्शल लॉ' घोषित कर दिया है। चिनलैंड डिफेंस फोर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह संघर्ष शनिवार को सुबह छह बजे से शुरू हुआ जब सरकारी सैनिकों ने हेलिकॉप्टर के माध्यम से मिनदात कस्बे के पश्चिमी हिस्से में गोलाबारी की जिससे कई घर तबाह हो गए। चिनलैंड डिफेंस फोर्स आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले फरवरी के तख्तापलट के खिलाफ स्थानीय तौर पर बनाया गया मिलिशिया समूह है। प्रवक्ता ने सुरक्षा कारणों से नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि हमले में हेलिकॉप्टरों ने भी हिस्सा लिया था। चिन मानवाधिकार संगठन ने एक बयान में कहा, मिनदात कस्बे में अब घेराबंदी है और जुंटा सैनिकों द्वारा हवा एवं जमीन से हर तरीके से हमले का शिकार हो रहा है। सांसदों द्वारा गठित छद्म नेशनल यूनिटी सरकार ने चेतावनी दी है कि, अगले 48 घंटों में, मिनदात संभवतःयुद्धभूमि में तब्दील हो सकता है और हजारों लोग विस्थापित होने के खतरे का सामना कर रहे हैं।

लॉस एंजिलिस के जंगल में लगी आग हुई विकराल, हजारों लोगों को निकालने का आदेश

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में जंगल में लगी आग रविवार को उग्र रूप ले लेने के बाद हजारों स्थानीय निवासियों को वहां से निकालने का आदेश दिया गया और अन्य को वहां से कभी भी निकलने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। लॉस एंजिलिस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि टोपांग स्टेट पार्क के पास लगी आग के कारण ''संदेहास्पद'' हैं और उनकी जांच जारी है।अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट स्टेवार्ट ने एक बयान में बताया कि जांचकर्ताओं ने अग्निशमन विभाग तथा लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के साथ मिलकर एक व्यक्ति को मामले में हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। जांचकर्ताओं ने रविवार शाम एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे भी पूछताछ की। अग्निशमन विभाग ने बताया कि दिन की शुरुआत में ठंडे, नम मौसम से दमकलकर्मियों को राहत मिली थी, लेकिन दोपहर में आग फिर तेजी से फैलने लगी। उसके अनुसार, सांटा मोनिका माउंटेन्स में शुक्रवार देर रात लगी आग में जानमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है। शनिवार को आग फैलने से पहले काफी समय तक सुलगती रही थी। आग के फैलने के बाद टोपंगा घाटी क्षेत्र के हजारों लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया। रविवार शाम तक, आग ने 5.4 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली झाड़ियों और पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया था।

अफगान सरकार और तालिबान के साथ युद्ध विराम समाप्त, फिर शुरू हो सकता है खूनी खेल

काबुल। अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू किए जाने की अपीलों के बीच देश में तीन दिवसीय संघर्ष विराम रविवार को समाप्त हो गया है। हालांकि, इन तीन दिनों में भी कई हिंसक घटनाएं हुईं, जिनमें से कुछ की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है। संघर्ष विराम खत म होने के बाद देश में एक बार फिर खूनी खेल शुरू होने का खतरा पैदा हो गया है। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहेल शाहीन ने बताया कि अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच कतर में एक संक्षिप्त बैठक हुई है। उन्होंने युद्ध को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त करने का रास्ता खोजने की प्रतिबद्धता दोहराई और बाधित वार्ताओं को फिर से शुरू करने की अपील की। अफगानिस्तान में 20 साल की जंग के बाद अमेरिका और नाटो सैनिकों की वापसी शुरू होने के बीच हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका, अफगानिस्तान और तालिबान के बीच बातचीत फिर शुरू करने पर जोर दे रहा है। तालिबान और अफगानिस्तान सरकार ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा की थी, लेकिन इस दौरान भी देश में हिंसा जारी रही। अफगानिस्तान के उत्तरी काबुल में गत शुक्रवार को जुमे की नमाज के समय एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। मस्जिद के इमाम मुफ्ती नईमन की भी हमले में मौत हो गई।

भयंकर तूफान चक्रवात ताउत

गुजरात में दो दशक के सबसे भयंकर तूफान चक्रवात ताउते से तबाही, कर्नाटक-महाराष्ट्र में १२ की मौत

क्रांति समय दैनिक

गुजरात में दो दशक के सबसे भयंकर तूफान चक्रवात ताउते ने सोमवार रात को तबाही मचा दी। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि तूफान गुजरात के तटों से टकराया और करीब ४ घंटों तक इसका सबसे भीषण असर देखने को मिला। साइक्लोन ताउते उत्तर और उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ते हुए पोरबंदर से महुवा (भावनगर जिले) के बीच गुजरात के तटों से गुजरेगा। इस दौरान १५५-१६५ किलोमीटर से १८५ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने से जानमल के नुकसान का खतरा भी है। कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और गोवा में तूफान ताउते पहले ही बड़ा नुकसान पहुंचा चुका है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में १२ लोगों की मौत भी हुई है।

चक्रवाती तूफान ताउते का मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में गहरा असर देखने को मिला है। महाराष्ट्र के कोंकण इलाके में तो ६ लोगों की मौत हो गई है। जबकि तीन नाविक लापता बताए जा रहे हैं। वहीं सोमवार को मुंबई में भी समुद्र में ऊंची लहरें उठने के साथ भारी बारिश हुई। बांद्रा वर्ली सी लिंक और मुम्बई एयरपोर्ट को बंद किया गया। कई जगहों पर जल जमाव भी देखने मिला।रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के समुद्री किनारों पर तूफान ने नुकसान पहुंचाया।रायगढ़ जिले में ३, सिंधुदुर्ग में १ और दो लोगों की मौत नवी मुंबई व उल्हासनगर में हुई। इनकी मौत साइक्लोन ताउते के कारण गिरे पेड़ की चपेट में आने से हुई। मुंबई एयरपोर्ट शाम ६ बजे तक के लिए बंद कर दिया गया।

कर्नाटक में चक्रवात ताउते की वजह से प्रभावित तटीय और मलनाड जिले में अब तक छह लोगों की मौत हो गई है। कर्नाटक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों की ओर से स्थिति को लेकर जारी रिपोर्ट में बताया गया कि मंगलवार तक १२१ गांव और तालुका चक्रवात से प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि ५४७ लोगों को अब तक उनके संबंधित स्थानों से निकाला गया है और चक्रवात से लोगों को बचाने के लिए यहां खोले गए १३ राहत शिविरों में २९० लोग शरण लिए हुए हैं।

मुंबई में वर्ली सी लिंक को बंद कर दिया है। एयरपोर्ट भी कुछ घंटों के लिए बंद किया गया था। यह ऐहतियाती उपाय किया गया है। मुंबई में सोमवार सुबह से हल्की बारिश हो रही थी, लेकिन जैसे जैसे दिन बढ़ता गया, भारी बारिश के साथ ही तेज़ हवाओं ने परेशानी बढ़ा दी।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

राज्य सरकार ने स्वास्थ्यकर्मियों पर लगाया प्रतिबंध, उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

क्रांति समय दैनिक

गुजरात सरकार ने कोरोना महामारी और तौकते चक्रवात की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्यकर्मियों को किसी प्रकार की छुट्टी लेने, हडताल, सेवा से दूरी बनाने, प्रदर्शन करने या किसी भी परिस्थिति में काम में अवरोध पैदा करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी राज्य सरकार ने दी है। स्वास्थ्य विभाग की विज्ञप्ति के मुताबिक ऐसी कठिन परिस्थितियों में स्वास्थ्य विभाग के प्रथम श्रेणी से चतुर्थ श्रेणी के जैसे डॉक्टर, पेरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं और कई हड़ताल पर उतरने के धमकी देकर मानवीय सेवा में अवरोध पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग की आवश्यक सेवाएं राज्य के नागरिकों को समय पर उपलब्ध हों सके इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रथम श्रेणी से चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, नेशनल हेल्थ मिशन के तहत करार आधारित सेवा देने वाले सभी व्यक्ति समेत अन्य सभी कि जो कोविड १९ और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े हैं, उन सभी को बगैर किसी विक्षेप के सेवा जारी रखनी होगी। इनमें से कोई भी कर्मचारी किसी प्रकार की छुट्टी, सेवा से अलग रहने, प्रदर्शन करने या आपात स्थिति में काम में बाधा करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ एपेडेमिक एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई करने की संबंधित जिला कलेक्टर और महानगर पालिका आयुक्तको आदेश जारी कर दिया गया है।

सार-समाचार

बेटे की शादी के मौके पर नाच रहे पिता को लगी गोली, अस्पताल में तोड़ा दम

दाहोद,जिले के जालत गांव में शादी के माहौल में लोग नाच रहे थे और अचानक गोली लगने से दूल्हे के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। पहले दाहोद के निजी अस्पताल और बाद में वडोदरा ले जाया गया। जहां दूल्हे के पिता की ११ मई को मौत हो गई। मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबित दाहोद जिले के जालत गांव निवासी गोराभाई जलिभाई बिलवाला के बड़े बेटे अनूप की शादी उपलक्ष्य में ३ मई को व्यवहार विधि थी। व्यवहार विधि खत्म होने के बाद ४ मई की रात नाते-रिश्तेदार समेत स्थानीय लोग नाच रहे थे। जिसमें गोराभाई अपनी लाइसंसी बंदूक के साथ झूम रहे थे। उस वक्त पारिवारिक भतीजे नयन सबूरभाई बिलवाल ने गोराभाई के हाथ से बंदूक ले ली और हवा में दो फायरिंग कर दी। जिसमें दूसरी गोली गोराभाई के सिर में लगी और वहीं गिर पड़े। गंभीर हालत में गोराभाई को पहले दाहोद के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें वडोदरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां ११ मई को गोराभाई की मौत हो गई। १५ मई को मृतक की पत्नी सुमित्रा गोराभाई बिलवाल की शिकायत के आधार पर कतवारा पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी।

भांजी से दुष्कर्म के आरोप में मौसा गिरफ्तार, घर में मदद के लिए भांजी को बुलाया था

अहमदाबाद,शहर के दाणीलीमडा क्षेत्र में एक शख्स ने पत्नी के रूठ कर मायके चले जाने पर मदद के लिए भांजी को बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के दाणीलीमडा क्षेत्र में रहनेवाले शख्स की पत्नी के साथ लड़ाई हो गई थी। जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी। पत्नी के जाने के बाद आरोपी ने अपनी साली को फोन किया और घर में मदद के बहाने भांजी को बुला लिया। साली ने १५ साल की बेटी को बहनोई के घर भेज दिया। जहां तीन संतानों के पिता ने १५ साल की मासूम किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और इस बारे में किसी से कहने पर जान से मारने की धमकी भी थी। मौसा की धमकी से किशोरी डर गई और उसने किसी से कुछ नहीं बताया। घटना का पता तब चला जब किशोरी की बड़ी बहन मौसा के घर आई और बाथरूम में पीड़िता के लहू वाले कपड़े देखे। इस बारे में बड़ी बहन ने पीड़िता से पूछा तब उसने बताया कि मौसा ने उसके साथ एक नहीं बल्कि दो दफा दुष्कर्म किया।

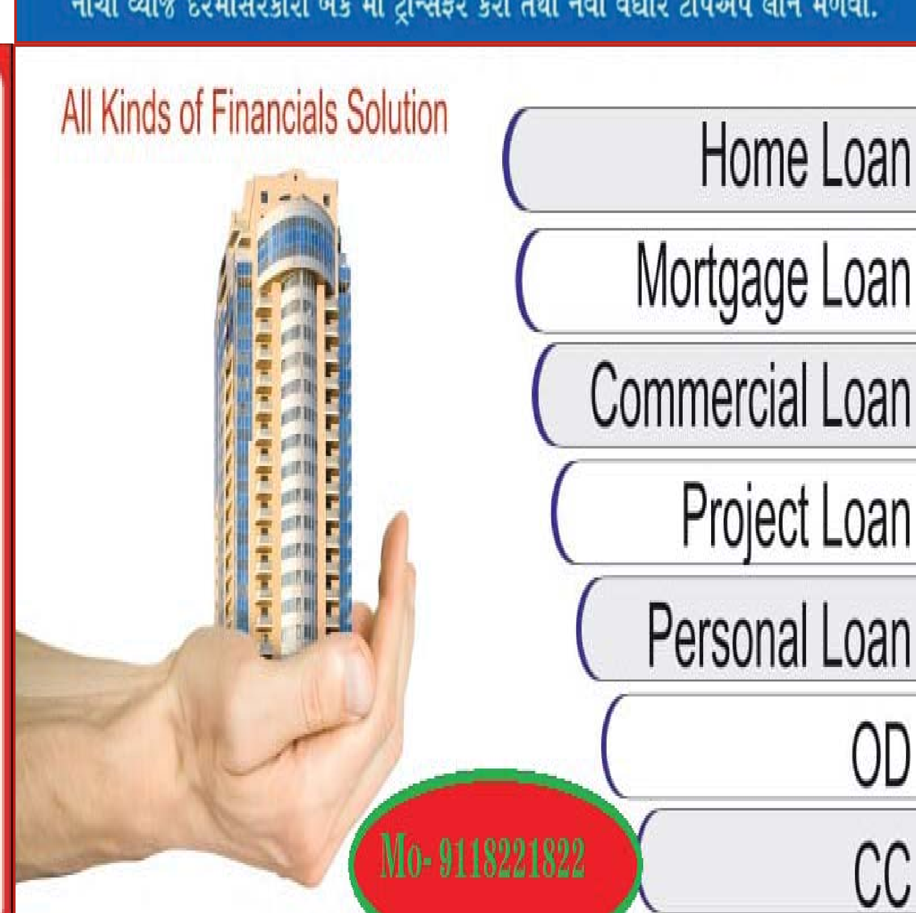

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्थिति को काबू में करने का वक्त है, जो कि हर मिनट के साथ बिगड़ती जा रही है: राजेयपाल धनखड़

नारदा मामले में एक्शन के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने सीबीआई दफ्तर के बाहर की पत्थरबाजी

कोलकाता (एजेंसी)।

नारदा स्टिंग मामले में सोमवार सीबीआई के एक्शन के बाद मंत्रियों की गिरफ्तारी के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सीबीआई दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान हालात इस कदर बेकाबू हुए कि सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया। इसी केस में सीबीआई ने सोमवार को मंत्री फिरहाद हकीम, मंत्री सुब्रत बनर्जी, विधायक मदन मित्रा को गिरफ्तार कर लिया। इसी के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीबीआई के दफ्तर पहुंचीं और गिरफ्तारी का विरोध किया। साथ ही चेतावनी दी कि सीबीआई को उन्हें भी गिरफ्तार करना होगा। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई पत्थरबाजी के बाद बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कर लिखा कि सीबीआई दफ्तर के बाहर पत्थरबाजी की जा रही है, लेकिन कोलकाता पुलिस, बंगाल पुलिस मूकदर्शक बनी हुई हैं। इस मामले को जल्द निपटाने की अपील है। जगदीप धनखड़ ने लिखा कि ये पूरी तरह से अराजकता है, पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से शांत है। उम्मीद है कि आप कानून व्यवस्था के फेलियर का जल्द अंदाजा लगा पाएंगे। स्थिति को काबू में करने का वक्त है, जो कि हर मिनट के साथ बिगड़ती जा रही है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा की ओर से ये बदले की कार्रवाई की जा रही है। केंद्र के इशारे पर एजेंसी टीएमसी के नेताओं के खिलाफ एक्शन ले रही है। वहीं, बीजेपी का तर्क है कि जो भी एक्शन हो रहा है वो अदालत के आदेश पर ही लिया जा रहा है, ऐसे में इसमें बदले की कार्रवाई नहीं है।

महाराष्ट्र में चक्रवात 'ताउते' से उत्पन्न स्थिति पर प्रधानमंत्री ने की उद्धव ठाकरे से चर्चा

-ताउते के कारण तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे कई पेड़ उखड़ गये एवं ट्रेन सेवाएं हुईं बाधित

अगले कुछ घंटे में मूसलाधार वर्षा एवं 120 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की आशंका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को चक्रवात ताउते के कारण महाराष्ट्र में उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से चर्चा की और ताजा स्थिति की जानकारी ली, आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। चक्रवाती तूफान 'ताउते' के गुजरात की ओर बढ़ने के बीच मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में सोमवार को बहुत तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे जगह जगह पेड़ उखड़ गये एवं ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) ने दोपहर को बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ घंटे के दौरान मूसलाधार वर्षा एवं 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी दी है। फिलहाल मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में खूब वर्षा हो रही है एवं तेज आंधी चल रही है। आईएमडी ने इससे पहले बताया कि तूफान 'ताउते' विकराल चक्रवाती तूफान में बदल गया है। आईएमडी के चक्रवात चेतावनी विभाग के अनुसार, पूर्व मध्य अरब सागर के

ऊपर बना अत्यधिक भीषण चक्रवाती तूफान %ताउते% पिछले छह घंटों के दौरान लगभग 20 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, और अब यह विकराल चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। इसके कारण अब 180-190 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, जिसके 210 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तक पहुंच जाने का अनुमान है। ज्ञात हो कि इस चक्रवात से निपटने की तैयारियों का प्रधानमंत्री ने रविववार को एक उच्चस्तरीय बैठक में जायजा लिया था।

सशस्त्र बलों की ओर से चलाए जा रहे कोविड राहत अभियान की रक्षामंत्री राजनाथ ने की समीक्षा

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर से मुकाबले के लिए सशस्त्र बलों, रक्षाक्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से किए जा रहे योगदान की रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समीक्षा की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में संकट के समय तीनों बलों और रक्षा मंत्रालय के अधीन अन्य संस्थाओं की ओर से उठाए गए विशिष्ट कदमों के बारे में राजनाथ सिंह को अवगत कराया गया है। बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल विपिन रावत, सेना प्रमुख एमएम नरवणे, नौसेना प्रमुख करमबीर सिंह, वायुसेना अध्यक्ष आरकेएस भदौरिया और डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट कर कहा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सचिवों, सीडीएस, तीनों सेनाओं के प्रमुखों और मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक की अध्यक्षता की और कोविड-19 के खिलाफ जारी भारत की लड़ाई में उठाए गए कदमों की समीक्षा की। मौजूदा संकट के मद्देनजर सेना और नौ सेना ने कई राज्यों में कोविड मरीजों के इलाज के लिए अस्पताल तैयार किए हैं। भारतीय वायु सेना के मालवाहक विमान क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकरों और अन्य आवश्यक दवाओं के सिंगापुर, थाइलैंड और संयुक्त अरब अमीरात से लाने में लगे हुए हैं। भारतीय नौ सेना ने खाड़ी और दक्षिणपूर्व एशिया के देशों से ऑक्सीजन के कंटेनर्स भारत लाने के लिए अपने नौ युद्धपोतों को मोर्चे पर लगाया है।

सुकमा में नक्सलियों ने पुलिस कैंप पर की गोलीबारी, जवाबी कार्रवाई में 3 लोगों की मौत

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा के सिलगेर गांव में पुलिस कैम्प पर सोमवार को नक्सलियों ने जमकर गोलीबारी की। यहां कई दिनों से पुलिस कैंप के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। ग्रामीण प्रदर्शनकारी पुलिस के खिलाफ नारे लगा रहे थे, इसी बीच नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि इस दौरान नक्सलियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस कैंप को जलाने की कोशिश भी की और सुरक्षाबल के जवानों पर पत्थर फेंके। ग्रामीणों के बीच छुपे नक्सलियों द्वारा की जा रही फायरिंग के जवाब में सुरक्षाबल के जवानों ने भी फायरिंग की, जिसमें तीन ग्रामीण मारे गए हैं। सिलगेर के इस पुलिस कैम्प के विरोध में तीन दिन से पांच हजार से अधिक ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे हैं। यह इलाका नक्सलियों का मुख्य इलाका माना जाता है। अगर इस इलाके में पुलिस कैम्प खुला तो नक्सलियों को दंतेवाड़ा बीजापुर-सुकमा के जंगल मे आने जाने में दिक्कत हो जाएगी। इसी वजह से नक्सली आदिवासियों का सहारा लेकर प्रदर्शन करवा रहे हैं। सुकमा जिले सिलगेर इलाका नक्सल गतिविधियों से प्रभावित है।

कांग्रेस नेताओं की पीएम मोदी को चुनौती, पूछेगें सवाल, कर ले गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की आलोचना करने वाले पोस्टर कथित तौर पर लगाने को लेकर कुछ लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की हैं। कांग्रेस नेताओं न सरकार को चुनौती दी कि वह कोविड-19 के टीकों के निर्यात पर सवाल उठाने को लेकर उन्हें गिरफ्तार करे। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने ट्विटर पर अपनी प्रोफ़ाइल तस्वीरें इसतरह के पोस्टरों से बदल दीं जिसमें सवाल किया गया है, कि कोविड के टीके विदेश क्यों भेज दिए गए। विपक्षी दल ने कहा कि अगर लोगों को टीके, दवाएं और ऑक्सीजन नहीं मिली,तब प्रधानमंत्री से कड़े सवाल पूछे जाएंगे। गांधी ने तस्वीर साझा की जिसमें लिखा है मोदी जी, आपने हमारे बच्चों की वैक्सीन (टीके) को विदेश क्यों भेज दिया?'' गांधी ने लिखा, मुझे भी गिरफ्तार करो। दिल्ली में टीके के मुद्दे पर पोस्टर लगाने के आरोप में दिल्ली पुलिस द्वारा कुछ लोगों को गिरफ्तार करने के बाद यह चुनौती सामने आई है। दिल्ली पुलिस ने भी कई प्राथमिकी दर्ज की और प्रधानमंत्री की आलोचना करने वाले पोस्टर चिपकाने के आरोप में लोगों को गिरफ्तार किया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती देकर कहा कि वह अपने परिसर की दीवार पर इसतरह के पोस्टर लगा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, प्रधानमंत्री के खिलाफ आलोचनात्मक पोस्टर लगाना अब एक अपराध है? क्या भारत अब मोदी दंड संहिता द्वारा चलाया जा रहा है? क्या दिल्ली पुलिस एक भयंकर महामारी के बीच इतनी बेरोजगार है। रमेश ने चुनौती दी, मैं कल अपने परिसर की दीवार पर पोस्टर लगा रहा हूं। आओ मुझे ले जाओ। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री से सवाल पूछे जाएंगे जब लोगों को टीके, दवाएं और ऑक्सीजन नहीं मिलेगी, जिनकी कोविड से लड़ने के लिए सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं आपको मुझे गिरफ्तार करने की चुनौती देता हूं। मेरा टीका कहां है, मेरी ऑक्सीजन कहां है? हम आपसे सवाल पूछते रहने वाले है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को सवाल पूछने के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है। खेड़ा ने कहा कि ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता था और लोग कोविड के कारण नहीं, बल्कि महामारी से निपटने में कुप्रबंधन के कारण मरें हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मानव निर्मित कमी उत्पन्न की है, चारों ओर अराजकता है। उन्होंने कहा, ''भारत सरकार ने संकट का सही तरीके से प्रबंधन नहीं किया।''

केंद्र ने अदालत में कहा-व्हाट्सएप की नई निजता नीति भारतीय आईटी कानून के अनुरूप नहीं है

– केन्द्र सरकार ने मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के सामने किया यह दावा

नई निजता नीति संविधान के तहत ऐप उपयोगकर्ताओं को प्रदत्त निजता के अधिकार का हनन करती है

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि उसे व्हाट्सएप की नई निजता नीति भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून एवं नियमों का उल्लंघन नजर आती है, इसलिए सोशल मीडिया मंच को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया जाए कि वह इसकी (आरोप की) पुष्टि कर रहा है। केन्द्र सरकार ने मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के सामने यह दावा किया। पीठ व्हाट्सएप की नई निजता नीति को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस सोशल मीडिया मंच के अनुसार उसकी यह नीति 15 मई को प्रभाव में आ गयी और उसे टाला नहीं गया है। व्हाट्सएप ने पीठ से कहा कि उसकी निजता नीति 15 मई से ही अमल में आ गई है और उसने उपयोगकर्ताओं का एकाउंट हटाना शुरू नहीं किया है।

उसने कहा कि कोई एक-सी समयसीमा नहीं है जिसके बाद वह एकाउंटों को हटाना शुरू करेगा बल्कि हर उपयोगकर्ता से मामले-दर-मामले के आधार पर निपटा जाएगा। पीठ ने केन्द्र सरकार और दोनों सोशल मीडिया मंचों (फेसबुक तथा व्हाट्सएप) को नोटिस जारी करते हुए उन्हें याचिकाओं में से उस एक याचिका पर अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया जिसमें याचिकाकर्ता एक वकील ने दावा किया है कि नई निजता नीति संविधान के तहत ऐप उपयोगकर्ताओं को प्रदत्त निजता के अधिकार का हनन करती है। केंद्र ने कहा कि यह नीति भारतीय आईटी कानून एवं नियमों के विपरीत है इसलिए उसने फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग को इस विषय पर पत्र लिखा है और जवाब का इंतजार है, ऐसे में इस नीति के क्रियान्यन के संबंध में यथास्थिति बनाये रखने की जरूरत है। जब यह विषय प्रारंभ में एकल न्यायाधीश के सामने आया था तब केंद्र ने कहा था कि व्हाट्सएप, नयी नीति को स्वीकार नहीं करने के संदर्भ में भारतीयों को यूरोपीय से अलग ढंग से ले रहा है जो सरकार के लिए चिंता का विषय है और वह इस मामले पर गौर कर रहा है। मामले पर अब तीन जून को आगे सुनवाई होगी।

भाजपा नेता सांप्रदायिक बम फोड़ने का कर रहे हैं प्रयासः अमरिंदर सिंह

शांतिप्रिय पंजाबियों के बीच सांप्रदायिक विभाजन की कोशिश उन्हें महंगी पड़ेगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मलेरकोटला पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथित 'भड़काऊ' बयान को कथित रूप से'तोता की तरह' दोहराने को लेकर भाजपा नेताओं को चेतावनी दी कि वे राज्य में सांप्रदायिक घृणा का बम फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जिससे उनके चेहरे ही झुलस जाएंगे। उन्होंने कहा कि शांतिप्रिय पंजाबियों के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की खुलेआम कोशिश उन्हें महंगी पड़ेगी। सिंह ने मलेरकोटला को पंजाब का जिला घोषित करने पर आदित्यनाथ द्वारा किये गये ट्वीट को लेकर उनकी आलोचना की और इसे 'सांप्रदायिक घृणा' भड़काने का प्रयास बताया। आदित्यनाथ ने ट्वीट किया था, मत और मजहब के आधार पर किसी प्रकार का विभेद भारत के संविधान की मूल भावना के विपरीत है। इस समय, मलेरकोटला (पंजाब) का गठन किया जाना कांग्रेस की विभाजनकारी नीति का परिचायक है। भाजपा महासचिव तरूण चुग ने कहा था कि मलेरकोटला को नया जिला घोषित करने का पंजाब सरकार का निर्णय प्रशासनिक रूप से अविवेकपूर्ण लेकिन राजनीतिक रूप से सांप्रदायिक फैसला है। अमरिंदर सिंह ने आदित्यनाथ का बचाव करने के लिए 'आंख बंदकर कूद पड़ने को लेकर भाजपा नेताओं पर पलटवार किया। उन्होंने भाजपा पर देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को नष्ट करने की व्यवस्थित कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस संबंध में सीएए कानून का हवाला दिया एवं किसान आंदोलन को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब का इतिहास सभी संप्रदायों के बीच एकता का इतिहास रहा है और इसका उदाहरण महाराजा रणजीत सिंह थे, जिनके मंत्री मुस्लिम और हिंदू थे।

-सभी जिलों में महिलाओं तथा बच्चों के लिए समर्पित अस्पतालकिये जा रहे हैं तैयार

सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दीं है: योगी

मेरठ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आई है और सरकार ने इस महामारी की तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश सरकार 'ब्लैक फंगस' को लेकर काफी गंभीर है तथा इसके उपचार के लिए एक विशेष योजना बनाई गई है। गौतमबुद्धनगर पहुंचे आदित्यनाथ ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि तीसरी लहर में बच्चों तथा महिलाओं को इस संक्रमण से ज्यादा खतरा बताया जा रहा और इसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं तथा बच्चों के लिए समर्पित अस्पताल तैयार किये जा रहे हैं और 102 नम्बर की 2200 एम्बुलेंस को महिलाओं तथा बच्चों के उपचार के लिए समर्पित किया गया है। 'ब्लैक फंगस' संक्रमण को लेकर प्रदेश सरकार ने जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। लोगों को बताया जा रहा है कि यह बीमारी ज्यादा स्टेरॉयड लेने से तथा मधुमेह का स्तर ज्यादा होने से होती है। सीएम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण की जांच प्रक्रिया तेज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि घर में पृथक होकर उपचार करा रहे लोगों को चिकित्सा किट उपलब्ध कराई जा रही है तथा उनसे लगातार संपर्क करके उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाले तीन संयंत्र लगाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण मुक्त होने की दर बढ़ रही है तथा संक्रमण दर में गिरावट दर्ज हो रही है जो अप्रैल में 16.33 प्रतिशत से घटकर अब 4.8 फीसदी पर आ गई है। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 2.5 लाख नमूनों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में अब तक तीन करोड़ लोगों को कोविड रोधी टीका मुफ्त लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1,080 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है तथा सभी जिलों में 72 घंटे से अधिक की रिजर्व ऑक्सीजन उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में दैनिक रूप से कार्य कर अपना जीविकोपार्जन करने वाले लगों को प्रतिमाह 1,000 रुपये का भरण-पोषण भत्ता प्रदान किया जा रहा है।

ऐसा संज्ञान में आ रहा कि कुछ एक निजी अस्पताल एवं निजी प्रयोगशालाएं महामारी के इस दौर में लूट के केंद्र बन चुके हैं और ऐसे अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की जांच कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने मेरठ मंडल में 35 नए ऑक्सीजन संयंत्र लगाये जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान पुलिस को चकमा देते हुए भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता 'मुख्यमंत्री योगी मुर्दाबाद' के नारे लगाने लगे, जिसके बाद पुलिस ने भाकियू कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन पहुंचा दिया। आयुक्तालय पर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग कर रहे कांग्रेसियों को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं मिली और एसडीएम-सीओ ने कांग्रेसियों का ज्ञापन लेकर उन्हें मेरठ कॉलेज से लौटा दिया।

संक्षिप्त समाचार

रजनीकांत ने कोरोना से जंग के लिए सीएम राहत कोष में दान किए 50 लाख रुपए

चेन्नई। भारत में हर दिन कोरोना के लाखों मामले सामने आ रहे हैं। देश के प्रमुख लोग कोरोना मरीजों और सरकारों की मदद के लिए आगे आ रही हैं। फिल्मी सितारे भी इसमें बढ़-चढ़कर मदद कर रहे हैं। दक्षिण भारतीय अभिनेता रजनीकांत ने कोरोना से जंग के लिए 50 लाख रुपए का योगदान दिया है। रजनीकांत ने कोरोना से जंग के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50 लाख रुपए दान किए। ऑल इंडिया रेडियो ने अपने ट्विटर अकाउंट पर रजनीकांत और स्टालिन की मुलाकात से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया है। इस मौके पर रजनीकांत ने लोगों से कोरोना के नियमों का पालन करने की अपील की है, जिससे कोरोना को रोका जा सके। महामारी के इस दौर में अपने-अपने स्तर पर हर कोई योगदान दे रहा है। ऐसे में 14 मई को रजनीकांत की बेटी सौंदर्य रजनीकांत, उनके पति विषागन और उनके ससुर वनानगमुड़ी ने स्टालिन से मुलाकात कर एक करोड़ रुपए कोरोना की लड़ाई में दान किए। रजनीकांत ने 13 मई को कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड की दूसरी डोज चेन्नई के एक प्राइवेट अस्पताल में लगवाई थी। उनकी बेटी सौंदर्य भी उनके साथ मौजूद थीं। आपको बता दें तमिल सिनेमा के कलाकार बढ़-चढ़कर सरकार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। सूर्या, कार्ति , शिवाकुमार ने सरकार को एक करोड़ रुपए दान दिया है। जबकि निर्देशक एआर मुर्गुदौस, उदयनिधि स्टालिन और सुपरस्टार अजीत ने 25 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए हैं।

'ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने की रिकॉर्ड 10,000 टन 'प्राण वायु' की ढुलाई', पश्चिम रेलवे 25 अप्रैल से औसतन 134 टन ऑक्सीजन टैंकरों की ढुलाई रोज कर रहा है

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने बताया कि भारतीय रेल ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस की मदद से सोमवार सुबह तक रिकॉर्ड 10,000 टन तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन की ढुलाई की है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस सेवा 19 अप्रैल को मुंबई से शुरू हुई थी और 13 राज्यों को अभी तक इसका लाभ मिला है। शर्मा ने कहा, ऑक्सीजन एक्सप्रेस 13 राज्यों को ऑक्सीजन पहुंचा रही है। रेलवे ने बताया कि चक्रवाती तूफान 'ताउते' के 17 मई को गुजरात पहुंचने का अनुमान है और रेलवे पहले ही राज्य को 150 टन से ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचा चुका है, जो पिछले 20 दिनों के सामान्य औसत 134 टन से कहीं ज्यादा है। उसने बताया कि पश्चिम रेलवे ने रविवार को 137 टन और सोमवार को 151 टन ऑक्सीजन देश के विभिन्न भागों से गुजरात पहुंचायी। पश्चिम रेलवे 25 अप्रैल से ऑक्सीजन टैंकरों की ढुलाई कर रहा है और औसतन रोजाना 134 टन ऑक्सीजन की ढुलाई करता है।

केन्द्रीय मंत्री नकवी की विपक्षी दलों को नसीहत, भ्रम और भय का माहौल मत पैदा करें

नई दिल्ली। देश में जारी कोरोना महामारी के बीच राजनीति भी चरम पर है। विपक्ष लगातार केंद्र की सरकार पर निशाना साध रहा है।इस बीच केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष से कहा कि वह लोगों में भरोसा पैदा करने में मदद करें, भ्रम और भय का माहौल मत पैदा करें। नकवी ने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ पार्टियां और कुछ लोग महामारी के इस समय में पॉलिटिकल पाखंड की प्रयोगशाला बने हैं। वे संकट के समाधान का हिस्सा बनने की बजाय सियासी व्यावधान का किस्सा बन रहे हैं। लोगों में भरोसा पैदा करें, भ्रम और भय का माहौल मत पैदा करें। बता दें कि भारत में कोविड-19 के 2,81,386 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,49,65,463 हो गई। पिछले 27 दिन में एक दिन में सामने आए ये सबसे कम नए मामले हैं। वहीं, संक्रमण से 4,106 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,74,390 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार की सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 35,16,997 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 14.09 प्रतिशत है।

कोरोना काल में सेवादूत बने विशाल भारत संस्थान के सैकड़ों कार्यकर्ता

वाराणसी। विशाल भारत संस्थान द्वारा संचालित अनाज बैंक कोरोना संकट काल में लमही के सुभाष भवन में 24 घंटे के वॉर रूम से जीवन बचाने की मुहिम चला रहा है। वॉर रूम में विशाल भारत संस्थान के सेवादूत 24 घंटे दवा, भोजन और अनाज के साथ कोविड मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिए तैयार है। विशाल भारत संस्थान द्वारा संचालित विश्व के पहले अनाज बैंक ने सुभाष भवन, इद्रेंश नगर, लमही, वाराणसी में 24 घंटे का वॉर रूम गठित किया है। कोविड मरीजों एवं उनके परिजनों की 24 घंटे अनाज, भोजन एवं दवा पहुंचाकर मदद की जा रही है। कोविड मरीज जो घर पर ही अपना इलाज करा रहे हैं, उन्हें विशाल भारत संस्थान के सेवादूत हर प्रकार से मदद कर रहे हैं। नई दिल्ली की सेवा इंटरनेशनल ने विशाल भारत संस्थान के 24 घंटे के वॉर रूम को 5 लीटर वाला 5 ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर उपलब्ध कराया है। ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर का प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला मास्टल मेडिकल सिस्टम की ओर से सहायक निदेशक आदित्य विक्रम शाह द्वारा दी गई। ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल, तापमान, ब्लड शुगर मापने का प्रशिक्षण दिया गया एवं ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर संचालित करने हेतु सेवादूतों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रेश कुमार ने ऑनलाइन किया। इंद्रेश कुमार ने कहा की सेवादूत के साथ स्वास्थ्य सेवादूतों की भी जरूरत है। प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवादूत घर में कोविड का इलाज करा रहे बीमार लोगों एवं उनके परिजनों की मदद कर सकते हैं। ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर को संचालित करने हेतु प्रशिक्षण की जरूरत है। होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों के लिये यह प्रशिक्षण वरदान साबित होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)